▸▸वर्ष : 35 ▸▸अंक : 39 ▸▸मुंबई, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खरगे ने मामले में क्या सफाई दी?

विवादों में घिरने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने बयान पर सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि उनका इरादा प्रधानमंत्री को 'आतंकवादी' कहना नहीं था, बल्कि वे उनकी कार्यशैली पर प्रहार कर रहे थे। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी ताक़त का इस्तेमाल लोगों और राजनीतिक दलों को डराने-धमकाने के लिए करते हैं, जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई जैसी सरकारी संस्थाएं पूरी तरह से प्रधानमंत्री के नियंत्रण में हैं और इनका उपयोग विरोधियों को दबाने के लिए किया जा रहा है। खरगे के अनुसार, उनकी टिप्पणी का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा संस्थानों के माध्यम से पैदा किए गए 'डर के माहौल' को उजागर करना था, न कि उन पर कोई व्यक्तिगत हमला करना।

'पीएम आतंकवादी हैं'

▸▸ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के विवादित बोल

▸▸ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा, सख्त कार्रवाई की मांग

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के चुनावी माहौल में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए हालिया बयान ने एक नया राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया है। दरअसल तमिलनाडु में एक रैली के दौरान उन्होंने पीएम की तुलना आतंकवादी से कर दी थी। भाजपा ने इस बयान को न केवल अपमानजनक बताया है, बल्कि इसे चुनावी आचार संहिता का सीधा उल्लंघन करार दिया है। भाजपा की ओर से चुनाव आयोग को लिखी गई चिट्ठी ने यह साफ कर दिया है कि वे इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। भाजपा ने इस पूरे मामले को प्रधानमंत्री पद की गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता से जोड़ दिया है। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है और दोनों दलों के बीच बयानबाजी और भी तीखी होती नजर आ रही है। वहीं, चुनाव आयोग की संभावित कार्रवाई पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं, जिससे इस विवाद को और तूल मिल सकता है।

बयान के प्रचार पर रोक लगवाने की भी उठाई मांग

भाजपा ने चुनाव आयोग से यह भी अनुरोध किया है कि खरगे के इस विवादित बयान के प्रचार-प्रसार पर तुरंत रोक लगाई जाए। भाजपा की मांग है कि चुनाव अभियान सामग्री और डिजिटल प्रचार से इस बयान को हटाया जाए। साथ ही, उन्होंने आयोग से आग्रह किया है कि वह मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को इस बयान को अपने मंचों से हटाने का निर्देश दें। भाजपा का मानना है कि इस बयान का निरंतर प्रसार मतदाताओं को गुमराह कर सकता है और चुनावी माहौल को खराब कर सकता है, इसलिए इसे डिजिटल दुनिया से पूरी तरह गायब करना जरूरी है।

कठोर कानूनी कार्रवाई की भी मांग

भाजपा केवल चुनावी प्रतिबंधों तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि उसने खरगे के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की भी मांग की है। आयोग को भेजे गए पत्र में भाजपा ने भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की विभिन्न धाराओं का जिक्र किया है। भाजपा ने मांग की है कि खरगे के खिलाफ धारा 175, 171/174 और 356(1) के साथ-साथ अन्य लागू होने वाली कानूनी धाराओं के तहत दंडात्मक और नियामक कार्यवाही शुरू की जाए। भाजपा चाहती है कि जांच के दौरान जो भी अपराध पाए जाएं, उनके आधार पर कांग्रेस अध्यक्ष को कानूनी अंजाम भुगतना पड़े।

भाजपा ने चुनाव आयोग से क्या मांग की?

भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों को एक औपचारिक पत्र लिखकर मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। भाजपा का तर्क है कि खरगे का बयान प्रथम दृष्टया आदर्श आचार संहिता (MCC) का उल्लंघन है। पार्टी ने मांग की है कि चुनाव आयोग खरगे को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने या अपना बयान वापस लेने का निर्देश दे। इसके साथ ही, भाजपा ने आयोग से यह भी अपील की है कि कानून और चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार खरगे पर चुनावी अभियान से जुड़े उचित प्रतिबंध लगाए जाएं या अन्य सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि चुनावी मर्यादा बनी रहे। साथ ही, भाजपा ने इस मामले में शीघ्र और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की बयानबाजी पर रोक लगाई जा सके।

मराठी अनिवार्यता पर रार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मराठी भाषा की अनिवार्यता को लेकर राज्य सरकार और ऑटो-टैक्सी यूनियनों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। सरकार के नए नियम के विरोध में मुंबई रिक्शा मेन्स यूनियन ने 4 मई 2026 से राज्यव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है, जिससे मुंबई सहित पूरे प्रदेश की परिवहन व्यवस्था ठप होने का खतरा मंडरा रहा है। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, 1 मई 2026 से महाराष्ट्र के सभी लाइसेंसधारी ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान (बोलना, पढ़ना और लिखना) अनिवार्य होगा। इसका सत्यापन राज्य के 59 आरटीओ (RTO) कार्यालयों में किया जाएगा। जो चालक इस परीक्षा में विफल होंगे, उनका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

4 मई से थम सकते हैं पहिए

यूनियन के नेताओं के मुताबिक, पूरे महाराष्ट्र में करीब 15 लाख ऑटो चालक इस आंदोलन में शामिल होंगे। इनमें से लगभग 5 लाख चालक मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) के हैं। यूनियन नेता शशांक राव ने कहा, यदि सरकार हमारी अपील को नजरअंदाज करती है, तो हम 4 मई से रेलवे स्टेशनों, बस डिपो और प्रमुख ऑटो स्टैंडों के बाहर आक्रामक विरोध प्रदर्शन करेंगे और यह तब तक प्रतिदिन जारी रहेगा जब तक सरकार हमारी मांगों पर ध्यान नहीं देती।

28 अप्रैल को सरकार को सौंपेंगे ज्ञापन

यूनियन ने सरकार को 28 अप्रैल तक का समय दिया है। इस दिन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को ज्ञापन सौंपकर 1 मई से लागू होने वाले इस आदेश को वापस लेने की मांग की जाएगी। अगर सरकार ने मांग नहीं मानी, तो 4 मई से आंदोलन और तेज किया जाएगा।

15 लाख ऑटो चालकों की हड़ताल की चेतावनी

क्या है सरकार का नया नियम?

राज्य सरकार के नए आदेश के अनुसार, 1 मई से महाराष्ट्र में लाइसेंसधारी ऑटो और टैक्सी चालकों को मराठी बोलने, पढ़ने और लिखने की क्षमता साबित करनी होगी। यह सत्यापन राज्य के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (RTO) में किया जाएगा। परिवहन मंत्री ने साफ किया है कि जो चालक इस शर्त को पूरा नहीं करेंगे, उनका लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

यूनियन का सरकार पर आरोप

यूनियन नेता शशांक राव ने आरोप लगाया कि सरकार राज्य के पारंपरिक ऑटो और काली-पीली टैक्सी चालकों के साथ भेदभाव कर रही है। यूनियन का दावा है कि मौजूदा चालकों के पास पहले से ही मराठी का कामकाजी ज्ञान है, जो उन्होंने बैच प्राप्त करते समय साबित किया था। ऐसे में अचानक नया नियम लागू करना अन्यायपूर्ण है। उनका कहना है कि ओला-उबर जैसे ऐप आधारित कैब ड्राइवरों पर ऐसी कोई सख्ती नहीं है, उन ड्राइवरों के लिए मराठी की कोई अनिवार्यता नहीं है।

28 अप्रैल को अल्टीमेटम

महाराष्ट्र में करीब 15 लाख परमिट जारी किए गए हैं, जिससे इतने ही परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है। मुंबई में अकेले लगभग 2.8 लाख ऑटो हैं, जबकि पूरे मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में यह संख्या करीब 5 लाख तक है। ऐसे में बड़े स्तर पर आंदोलन होने से मुंबई, पुणे, ठाणे और नासिक जैसे शहरों की परिवहन व्यवस्था चरमरा सकती है। अब सभी की नजर 28 अप्रैल पर टिकी है, जब यूनियन सरकार से बातचीत करेगी।

अमरावती सेक्स स्कैंडल

27 अप्रैल तक बढ़ी आरोपियों की पुलिस रिमांड

▸▸ मोबाइल, बैंक ट्रांजेक्शन और थार की जांच बाकी

डीबीडी संवाददाता । अमरावती

अमरावती के परतवाड़ा सेक्स स्कैंडल मामले में मंगलवार को अचलपुर जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपी अयान अहमद और उजैर खान समेत चारों आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड (PCR) 27 अप्रैल तक बढ़ा दी गई। अदालत ने पुलिस को जांच में तेजी लाने और ठोस सबूत पेश करने के निर्देश दिए हैं। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि जांच अभी अधूरी है और कई अहम पहलुओं की पड़ताल बाकी है।

बचाव पक्ष ने उठाए सवाल

वहीं बचाव पक्ष ने पुलिस रिमांड बढ़ाने का विरोध करते हुए कहा कि पहले ही सात दिन की रिमांड दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया। वकील ने दावा किया कि अमरावती और नागपुर में डेटा रिकवरी के बावजूद आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली और बरामद हथियार असली रिवॉल्वर नहीं, बल्कि एयर गन है।

ब्रीफ न्यूज़

अजित पवार के हादसे के पीछे की सच्चाई सामने आनी चाहिए : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बारामती विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के अंतिम दिन एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिवंगत नेता अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मृत्यु पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने भावुक जनता को संबोधित करते हुए कहा कि जिस हादसे में पूर्व उपमुख्यमंत्री की जान गई, उसके पीछे की सच्चाई सामने आना अनिवार्य है और सरकार इस मामले की तह तक जाने के लिए प्रतिबद्ध है। फडणवीस ने इस उपचुनाव को अजित पवार को श्रद्धांजलि देने का एक अवसर बताते हुए राकांपा उम्मीदवार सुनेत्रा पवार के पक्ष में वोट करने की अपील की। गौरतलब है कि 28 जनवरी को हुए विमान हादसे के बाद रिक्त हुई इस सीट पर 23 अप्रैल को मतदान होना है, जहाँ सुनेत्रा पवार का मुख्य मुकाबला 22 निर्दलीय उम्मीदवारों से है।

गैस को लेकर महाराष्ट्र समेत तीन राज्यों में अफरा-तफरी की स्थिति

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है, जिससे भारत में एलपीजी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल के दाम 63 डॉलर से बढ़कर 116 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँचने के बावजूद देश में ईंधन की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के कूटनीतिक और घरेलू प्रयास जारी हैं। हालांकि, सरकार ने स्वीकार किया है कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार की लगभग 400 गैस एजेंसियों पर बुकिंग और वितरण को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं। भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का 60% आयात करता है, जिससे वैश्विक अस्थिरता का सीधा असर पड़ता है। वर्तमान में सिलेंडर डिलीवरी दक्षता 93% पर है और कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह बहाल हो चुकी है, लेकिन इन तीन राज्यों में मांग और पूर्ति के बीच संतुलन बनाने के लिए सरकार अभी भी संघर्ष कर रही है।

शहीद अग्निवीर की मां की याचिका पर हाईकोर्ट सख्त

▸▸ सरकार से नियमित सैनिकों और अग्निवीरों के लाभ में भेदभाव पर मांगा जवाब

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के प्रति सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए 'अग्निपथ योजना' के तहत शहीद हुए अग्निवीर के परिवार को मिलने वाले लाभों में भेदभाव पर जवाब मांगा है। जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस हितेन वेनेगांवकर की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने अगली सुनवाई तक अपना स्टैंड साफ नहीं किया, तो उन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। अदालत ने केंद्र सरकार के ढुलमुल रवैये पर कड़ी फटकार लगाई। दिसंबर और जनवरी में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अब तक सरकार ने अपना हलफनामा दायर नहीं किया है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए मुरली नायक

मुरली नायक जून 2023 में अग्निवीर के रूप में सेना में भर्ती हुए थे। 9 मई 2025 को जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी में वे शहीद हो गए। उस समय भारतीय सेना 'ऑपरेशन सिंदूर' (पहलगाम आतंकी हमले का जवाब) चला रही थी। नायक नियमित सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मोर्चे पर डटे थे।

लोकल ट्रेनों का 'फेस-ऑफ'

एक ही ट्रैक पर आमने-सामने आईं दो लोकल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर मंगलवार को एक ऐसी घटना घटी जिसने रेलवे की सुरक्षा प्रणाली और लाखों यात्रियों की धड़कनों को एक पल के लिए रोक दिया। तकनीकी गड़बड़ी के चलते दो लोकल ट्रेनें एक ही ट्रैक पर आमने-सामने आ गईं, जिससे एक भीषण रेल दुर्घटना की आशंका पैदा हो गई थी।

▸▸ लोको पायलटों की सूझबूझ से बची हजारों जान

▸▸ मध्य रेलवे ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश

बाल-बाल बची हजारों यात्रियों की जान

सीएसएमटी स्टेशन के ठीक बाहर एक ही ट्रैक पर विपरीत दिशाओं से दो ट्रेनें आ गईं। जैसे ही दोनों ट्रेनों के मोटरमैन (लोको पायलट) को सामने से आती हुई ट्रेन दिखी, उन्होंने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों ट्रेनें एक-दूसरे से मात्र कुछ फीट की दूरी पर रुकीं। यदि गति थोड़ी भी अधिक होती, तो यह एक बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के वक्त ट्रेनों में मौजूद यात्रियों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। कई यात्री डर के मारे ट्रैक पर कूद गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

हार्बर और मेन लाइन पर असर

इस घटना के कारण सीएसएमटी से चलने वाली हार्बर लाइन और मेन लाइन की रेल सेवा पूरी तरह चरमरा गई। सुरक्षा जांच और ट्रैक क्लियर होने तक कई ट्रेनों को पीछे के स्टेशनों पर ही रोक दिया गया, जिससे शाम के समय घर जाने वाले लाखों ऑफिस यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गलत सिग्नल से एक ही पटरी पर आ गईं दो ट्रेनें

गलत सिग्नल के कारण बदलापुर जाने वाली एक लोकल ट्रेन उसी प्लेटफॉर्म पर जा पहुँची, जहाँ पहले से ही एक दूसरी ट्रेन खड़ी थी। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला के अनुसार, ट्रेन ने सीएसएमटी का मुख्य 'होम सिग्नल' पार कर लिया था। हालांकि, प्लेटफॉर्म से करीब 130 मीटर पहले लगे 'इंटरनल होम सिग्नल' पर लाल बत्ती जल रही थी। सतर्क लोको पायलट ने सिग्नल देखते ही ट्रेन रोक दी, जिससे दोनों ट्रेनों के बीच पर्याप्त दूरी बनी रही। इस गंभीर लापरवाही के लिए रेलवे प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्टेशन मास्टर को निलंबित कर दिया है। प्राथमिक जांच में यह पाया गया कि सिग्नल देने की प्रक्रिया में मानवीय चूक हुई थी, जिससे व्यस्त प्लेटफॉर्म पर दो ट्रेनें एक साथ आने की स्थिति पैदा हो गई।

महाराष्ट्र में मौसम का डबल रोल

▸▸ विदर्भ में लू का कहर, तो कोंकण-मराठवाड़ा में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट

▸▸ मुंबई में उमस के बीच 35 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मौसम में इन दिनों 'कही धूप तो कहीं छांव' का अनोखा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। मंगलवार को भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पश्चिमी विक्षोभ और भीषण गर्मी के बीच खींचतान जारी है। वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा के कई हिस्सों में मौसम अचानक बदल गया है। दोपहर की तेज धूप के बाद शाम को गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने का सिलसिला जारी है। मुंबईकरों के लिए अगले कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। मंगलवार को सांताक्रूज में तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसके बुधवार को बढ़कर 35 डिग्री तक पहुँचने की संभावना है। सुबह बादल छाए रहने के बावजूद दोपहर और रात में भारी उमस के कारण लोगों को पसीने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

विदर्भ में 'हीटवेव' का अलर्ट

एक तरफ जहाँ कोंकण में बारिश हो रही है, वहीं विदर्भ के कई जिलों में तापमान 41 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। यहाँ गर्म हवाओं (लू) का असर बना हुआ है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार के लिए मुंबई और ठाणे में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इसका मतलब है कि उमस भरे मौसम के बीच अचानक तेज गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

अगले 48 घंटों का पूर्वानुमान

अगले दो दिनों तक तापमान स्थिर रहने के बाद, इसमें 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। इसका मतलब है कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह में गर्मी अपने चरम पर होगी, हालांकि छिटपुट बारिश से क्षणिक राहत मिल सकती है।

शांति वार्ता

ईरान से वार्ता के लिए अमेरिका बहुत मजबूत स्थिति में: ट्रंप

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता पर अनिश्चितता के बादल

एजेंसी । इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान के बीच होनेवाली दूसरे दौर की वार्ता को लेकर मंगलवार को अनिश्चितता की स्थिति रही। दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति के करीब है लेकिन दोनों अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। 11 और 12 अप्रैल को हुई अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर किसी नतीजे पर पहुंचने में विफल रहा था। इसके बाद पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के गुस्से को शांत करने और दूसरे दौर के संवाद की उम्मीद जगाने के लिए सक्रियता बढ़ा दी थी। पाकिस्तान ने रविवार को विदेशी प्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए 10000 से अधिक कर्मियों को तैनात करके तैयारियां शुरू कर दी थीं।

- दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल में से कोई पाकिस्तान नहीं पहुंचा
- दोनों पक्षों के बीच तीखी बयानबाजी से स्थिति और खराब हुई

ट्रंप ने दिए थे बातचीत के संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया था कि वार्ताकारों की टीम सोमवार रात तक इस्लामाबाद पहुंच सकती है, और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के भी इस्लामाबाद आने की उम्मीद थी। लेकिन मंगलवार की शाम खबर लिखे जाने तक इस्लामाबाद में कोई भी प्रतिनिधिमंडल नहीं पहुंचा है।

पाकिस्तान के गृहमंत्री ने की चर्चा

मंगलवार को पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने अमेरिका और ईरान के राजदूतों से मुलाकात की और शांति वार्ता से संबंधित मामलों पर चर्चा की। अस्पष्टता के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्वास जताया कि ईरान के साथ शांति वार्ता आगे बढ़ेगी। उन्होंने तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी और शेयर बाजार के झटकों को रोकने के लिए एक समझौते की इच्छा जताई, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ईरान के पास परमाणु हथियार विकसित करने के साधन नहीं हो सकते। दूसरी ओर, तेहरान को उम्मीद है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण का उपयोग एक ऐसा समझौता करने के लिए करेगा जो युद्ध को फिर से शुरू होने से रोके और प्रतिबंधों में ढील दिलाए, लेकिन उसके परमाणु कार्यक्रम में बाधा न बने। दोनों पक्षों की तीखी बयानबाजी के बीच स्थिति अस्थिर बनी हुई है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

2 लोगों की मौत चार घायल

डीबीडी संवाददाता । पालघर

जिले के वाडा तहसील के कोणसई गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब फैक्ट्री में पटाखों का उत्पादन चल रहा था और बारूद में अचानक धमाका हो गया।

भयावह विस्फोट, 300 फीट दूर जा गिरा शव

धमाका इतना शक्तिशाली था कि एक मजदूर का शरीर कई हिस्सों में बिखर गया और उसका शव करीब 300 फीट दूर जा गिरा। घटना की भयावहता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस हादसे ने इलाके में सुरक्षा इंतजामों और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अस्थायी यूनिट में चल रहा था उत्पादन

अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट एक पुराने फार्महाउस के टिन शेड में चल रही अस्थायी पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। उस समय करीब 35 मजदूर, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं, "ट्विन बम" तैयार कर रहे थे। केमिकल मिलाने के दौरान यह हादसा हुआ, जिसमें एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला की इलाज के दौरान मौत हुई।

घायलों का इलाज जारी, अस्पतालों में भर्ती

घटना में घायल चार मजदूरों को तुरंत वाडा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां से कुछ को बेहतर इलाज के लिए भिवंडी उप-जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया। सभी घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है।

मृतकों की पहचान, जांच शुरू

अधिकारियों ने मृतकों की पहचान भावेश दिलीप वावरे (35) और मोनिका सचिन पाडवले (30) के रूप में की है। घायलों में मोनिका महेंद्र जाधव (30), जागृति जगदीश गावटे (27), प्रतिभा प्रताप पवार (30) और मोनिका मोहन वर्दी (25) शामिल हैं। वहीं, दमकल और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

तेल गोदाम में भीषण आग, भारी नुकसान

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के खोन-खाडीपार ग्राम पंचायत क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक तेल भंडारण गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे मुलचंद कंपाउंड स्थित एक गोदाम में हुई, जहां बड़े लोहे के ड्रमों में औद्योगिक तेल रखा गया था। अधिकारियों के अनुसार, गोदाम में रखे अत्यधिक ज्वलनशील तेल के कारण आग कुछ ही मिनटों में तेजी से फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरा ढांचा उसकी चपेट में आ गया। दूर-दूर तक उठता काला धुआं आसपास के निवासियों में भय का कारण बना।

कोई जनहानि नहीं, बड़ा आर्थिक नुकसान

इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है, जिसे प्रशासन ने राहत की बात बताया है। लेकिन आग के कारण भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। संबंधित एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आग बुझने के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य हो गई और स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली।

दमकल ने दो घंटे में पाया काबू

सूचना मिलते ही भिवंडी नगर निगम की दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक गोदाम और उसमें रखा पूरा तेल स्टॉक जलकर खाक हो चुका था।

9 साल बाद सलाखों के पीछे 'सुपारी किलर'

2 लाख की सुपारी लेकर की थी शामू लहरी की हत्या, झारखंड से गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मीरारोड

मीरा गांव में 9 साल पहले हुई शामू लहरी गौड़ की सनसनीखेज हत्या के मामले में काशीमीरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हत्या की सुपारी लेने वाले मुख्य शूटर राजेश रविदास (34) को पुलिस ने झारखंड के हजारीबाग से धर दबोचा है। जांच में सामने आया कि मृतक शामू लहरी गौड़ ने 2015 में सुनील कुमार रजक को 5 लाख रुपये उधार दिए थे। जब शामू ने अपने पैसे वापस मांगने शुरू किए, तो सुनील ने पैसे लौटाने के बजाय उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

साजिशकर्ताओं को पहले ही उम्रकैद

इस मामले में पुलिस ने सुनील कुमार रजक और एक अन्य साथी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, हाल ही में मार्च 2026 में अदालत ने इन दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, गोली चलाने वाला मुख्य शूटर तब भी फरार था।

'सीरियल क्रिमिनल' है राजेश रविदास

काशीमीरा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुशील कुमार शिंदे के अनुसार, गिरफ्तार राजेश रविदास एक पेशेवर अपराधी है। वह पहले भी झारखंड के तलैया थाना क्षेत्र में 1.5 लाख रुपये की सुपारी लेकर एक व्यक्ति की हत्या कर चुका है। वह पिछले 9 सालों से अपनी पहचान छिपाकर झारखंड में रह रहा था।

2 लाख की सुपारी और झारखंड का शूटर

सुनील कुमार रजक ने झारखंड से राजेश रविदास को मुंबई बुलाया और शामू लहरी की हत्या के लिए 2 लाख रुपये की सुपारी दी। 6 अप्रैल, 2017 को राजेश ने मीरा गांव में शामू लहरी की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया।

तकनीकी जांच और ट्रांजिट रिमांड

काशीमीरा पुलिस की टीम ने डिजिटल फुटप्रिंट्स और तकनीकी सर्विलांस की मदद से राजेश का सुराग लगाया। हजारीबाग पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार किया गया और वहां की स्थानीय अदालत से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद उसे अब मुंबई लाया गया है।

तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर, मौत

डोंबिवली। डोंबिवली पूर्व के शेलार नाका से मंजुनाथ स्कूल के बीच सड़क पार कर रही 68 वर्षीय महिला को तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिनकी तीन दिन इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान रेखा उत्तम कासुर्डे (68) के रूप में हुई है, जो खंबालपाड़ा इलाके में अपने बेटे के साथ रहती थीं। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां लगातार तीन दिन तक इलाज चला, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका और अंततः उनका निधन हो गया। इस मामले में मृतका के बेटे अविनाश कासुर्डे की शिकायत पर टिळकनगर पुलिस स्टेशन में एमएच-05-बीजी-6368 नंबर के रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

सरकारी फाइलों का चक्कर होगा खत्म!

'जीरो ब्यूरोक्रेसी' की दिशा में महाराष्ट्र
प्रशासन को स्टार्टअप जैसा बनाने पर जोर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देवेंद्र फडणवीस ने राज्य प्रशासन को अधिक पारदर्शी, गतिशील और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए 'जीरो ब्यूरोक्रेसी' की अवधारणा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को स्टार्टअप की तरह काम करना चाहिए, जहां प्रक्रियाएं सरल, पूर्वानुमेय और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप वाली हों, ताकि सेवाएं सीधे पात्र नागरिकों तक पहुंच सकें। सिविल सेवा दिवस 2026 के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'जीरो ब्यूरोक्रेसी' का मतलब अधिकारियों की कमी नहीं, बल्कि प्रक्रियाओं का पुनर्गठन है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवाएं व्यक्तिगत विवेक पर नहीं, बल्कि पात्रता के आधार पर मिलनी चाहिए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़े।

ई-गवर्नेंस से बढ़ी कार्यक्षमता

फडणवीस ने बताया कि राज्य सरकार के 100 और 150 दिन के कार्यक्रमों के तहत प्रशासनिक दक्षता पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें करीब 85 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किए गए। ई-गवर्नेंस के जरिए कई प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार हुआ है।कार्यक्रम में मंगल प्रभात लोढा और मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने 'विकसित महाराष्ट्र 2047' के लिए 2029, 2035 और 2047 के तीन प्रमुख चरणों का जिक्र किया और कहा कि राज्य अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

'आपले सरकार 2.0' से सेवाएं होंगी आसान

सरकार 20 प्रमुख नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने पर काम कर रही है और जल्द ही 'आपले सरकार 2.0' लॉन्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार अपनाने की अपील करते हुए कहा कि स्टार्टअप जैसी कार्यशैली से ही 'जीरो ब्यूरोक्रेसी' का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, जिससे आम नागरिकों को तेज और प्रभावी सेवाएं मिल सकेंगी।

फर्जी पुलिस बनकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पालघर। जिले में खुद को पुलिसकर्मी बताकर लोगों को झांसे में लेकर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जायेद जावेद जाफरी (38), निवासी आंबिवली, कल्याण के रूप में हुई है। उसने 71 वर्षीय दामोदर चाफेकर को विठ्ठल मंदिर के पास रोककर सोने के गहने उतरवाए और हाथ की सफाई से फरार हो गया था। इस वारदात में करीब 1.45 लाख रुपये के आभूषण हड़पे गए थे। सीसीटीवी फुटेज और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा और गहने बरामद किए। यह कार्रवाई परिविक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक कुमार सुशांत के नेतृत्व में की गई।

सोने के आभूषण बरामद

अनिश्चितकालीन हड़ताल से सिविल अस्पताल सेवाएं प्रभावित

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

लंबित मांगों को लेकर राज्य सरकारी कर्मचारियों, टेक्निकल स्टाफ और नर्स संगठनों ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इस हड़ताल का सीधा असर सिविल अस्पताल के कामकाज पर पड़ा है, जहां नियमित सेवाएं बाधित हो गई हैं और मरीजों को इलाज में देरी का सामना करना पड़ रहा है।

मरीजों को हो रही परेशानी, प्रशासन पर दबाव

हड़ताल के चलते अस्पताल की नियमित सेवाओं में बाधा आई है। मरीजों को आवश्यक सेवाएं मिलने में देरी हो रही है, जिससे अस्पताल प्रशासन पर वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी करने का दबाव बढ़ गया है। आपातकालीन सेवाओं को किसी तरह जारी रखने की कोशिश की जा रही है। कर्मचारी संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इससे आने वाले दिनों में स्वास्थ्य सेवाओं पर और व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

पुरानी पेंशन सहित कई प्रमुख मांगें

हड़ताल 'पुरानी पेंशन योजना' लागू करने, डायरेक्ट सर्विस भर्ती प्रक्रिया को जल्द शुरू करने, 1981 के सरकारी निर्णय को पुन: लागू करने, कैशलेस इंश्योरेंस स्कीम लागू करने और नर्सों को ट्रांसफर प्रक्रिया से बाहर रखने जैसी मांगों को लेकर की जा रही है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि लंबे समय से इन मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

संयुक्त मोर्चे की अगुवाई में प्रदर्शन

इस आंदोलन में राज्य सरकार कर्मचारी एसोसिएशन, ग्रुप 'D' (क्लास IV) कर्मचारी फेडरेशन, टेक्निकल कर्मचारियों और नर्स फेडरेशन की संयुक्त भागीदारी है। प्रदर्शन का नेतृत्व अनिल घेगड़मल, स्नेहा ठाकुर और अन्य पदाधिकारियों ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में नर्स, टेक्निकल स्टाफ और कर्मचारी शामिल हुए।

नगरसेवक पर यौन शोषण का केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा भायंदर क्षेत्र में एक नगरसेवक पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के रूप में लक्ष्मण जंगम का नाम सामने आया है। शिकायत मीरा रोड पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है, जहां पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी का झांसा देकर शोषण का आरोप

जांच अधिकारियों के अनुसार, आरोप है कि नगरसेवक ने मीरा-भायंदर की एक महिला को अपने कार्यालय में बुलाकर शादी का वादा किया। इसके बाद कथित रूप से महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध कार्यालय और एक लॉज में ले जाकर उसके साथ यौन शोषण किया गया।

जांच जारी, गिरफ्तारी बाकी

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन छानबीन जारी है। अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता ने दर्ज कराई शिकायत

बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी ने महिला से दूरी बनानी शुरू कर दी, जिससे परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पीड़िता के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कई इलाकों में 2 दिन तक होगी पानी की कटौती

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शहर के कई हिस्सों में गुरुवार 23 अप्रैल दोपहर 12 बजे से शुक्रवार 24 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी। महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की वॉटर सप्लाई स्कीम के तहत जांभूल वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर के रिज़र्वॉयर पर बारवी ग्रेविटी चैनलों के अपग्रेडेशन और मेंटेनेंस कार्य के कारण यह कटौती की जा रही है।

इन क्षेत्रों में पूरी तरह बंद रहेगी सप्लाई

इस शटडाउन के दौरान मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवडा-मानपाड़ा और वागले प्रभाग समिति के अधिकांश इलाकों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। हालांकि दिवा, मुंब्रा के वार्ड नंबर 26 और 31 के कुछ हिस्सों में आंशिक राहत दी गई है। इसके अलावा कलवा और वागले प्रभाग के अंतर्गत कोलशेत खालचा गांव सहित कई क्षेत्रों में भी जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

कम प्रेशर की समस्या, नागरिकों से अपील

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सप्लाई बहाल होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी कम दबाव से आएगा। ऐसे में नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अवधि में पानी का सीमित और सावधानीपूर्वक उपयोग करें, ताकि सभी क्षेत्रों में सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

बेस्ट की डिजिटल छलांग

अब क्यूआर से बस टिकट बुकिंग आसान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन ने यात्रियों के सफर को आसान बनाने के लिए बड़ा डिजिटल कदम उठाया है। अब यात्रियों को बस टिकट के लिए कंडक्टर पर निर्भर रहने या अलग ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। BEST अब ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़ गया है, जिससे यात्री अपने मोबाइल में मौजूद ऐप्स के जरिए क्यूआर कोड स्कैन कर टिकट ले सकेंगे।

ओएनडीसी से क्या बदलेगा सफर?

ओएनडीसी, वाणिज्य मंत्रालय (DPIIT) की पहल है, जो डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देती है। बेस्ट के जुड़ने के बाद अब यात्री Google Pay, PhonePe, Paytm, WhatsApp, Uber, RedBus और Rapido जैसे करीब 28 ऐप्स के जरिए सीधे टिकट खरीद सकेंगे। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को अलग ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी और वे अपने पसंदीदा UPI या मैसेजिंग ऐप से ही भुगतान कर सकेंगे। बस में चढ़ते ही QR कोड स्कैन कर तुरंत ई-टिकट मिल जाएगा, जिससे समय की बचत होगी और टिकटिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी। साथ ही कंडक्टरों पर नकदी संभालने का बोझ भी कम होगा।

सीएम विजन के तहत डिजिटल एकीकरण

यह पहल देवेंद्र फडणवीस के उस विजन का हिस्सा है, जिसमें मेट्रो, बेस्ट और रेलवे को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की योजना है। इस एकीकरण से डिजिटल टिकट उपयोगकर्ताओं की संख्या मौजूदा 15-16% से बढ़कर 25-30% तक पहुंचने की उम्मीद है।

पानी संकट के बीच वाहन धुलाई पर रोक

ठाणे। भीषण गर्मी के चलते शहर में पानी की मांग बढ़ने से जलाशयों का जलस्तर लगातार घट रहा है। इस स्थिति को देखते हुए ठाणे महानगरपालिका ने बड़ा फैसला लेते हुए शहर के सभी सर्विस सेंटर में 10 जून तक वाहन धुलाई पर प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। करीब 27 लाख की आबादी वाले ठाणे शहर को प्रतिदिन लगभग 590 मिलियन लीटर पानी मिल रहा है, जबकि जरूरत 621 मिलियन लीटर है। यानी रोजाना 31 मिलियन लीटर की कमी बनी हुई है। इस कमी के चलते शहर में जलसंकट गहराता जा रहा है, वहीं पाइपलाइन मरम्मत जैसे कार्यों के कारण कई बार पानी आपूर्ति भी बाधित हो रही है। पानी सप्लाई बंद रहने के बाद अगले दो दिनों तक कम दबाव से पानी मिल रहा है, जिससे नागरिकों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ते तापमान के कारण पानी की खपत भी तेजी से बढ़ रही है, जिससे जलाशयों का स्तर और तेजी से गिर रहा है। पालिका प्रशासन ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पानी का अनावश्यक उपयोग रोकने, पुनः उपयोग (रीसायक्लिंग) को बढ़ावा देने और नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही वाहन धुलाई और अन्य सफाई कार्यों पर अस्थायी रोक को जल संरक्षण के लिए जरूरी कदम बताया गया है। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने नागरिकों से पानी का सीमित उपयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि घरों में भी पानी बचाने की आदतें अपनानी चाहिए, जैसे गाड़ी या आंगन धोने से बचना और नल खुला न छोड़ना। वहीं कमिश्नर सौरभ राव ने नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

पूर्व सांसद डॉ. गोपालराव पाटिल का निधन

लातूर में हुआ अंतिम संस्कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/लातूर

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद डॉ. गोपालराव पाटिल का मंगलवार सुबह लातूर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 94 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार आज शाम 5 बजे लातूर में किया गया।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में लंबा योगदान

डॉ. पाटिल 1994 से 2000 तक राज्यसभा के सदस्य रहे और इस दौरान उन्होंने वाणिज्य, विदेश मामले और रेलवे जैसी महत्वपूर्ण संसदीय समितियों में काम किया। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भी अपनी राजनीतिक सक्रियता दिखाई और जनसेवा के कई मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

चिकित्सा क्षेत्र में भी बनाई अलग पहचान

उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस और डीसीएच की पढ़ाई पूरी की और लंबे समय तक लातूर में बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं दीं। वे इंडियन पीडियाट्रिक एसोसिएशन की एक शाखा के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे और कई राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

बहुमुखी व्यक्तित्व, कई भाषाओं पर पकड़

डॉ. पाटिल शिव छत्रपति शिक्षण संस्था के अध्यक्ष थे और शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए संस्था परिसर में रखा जाएगा, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उनका जन्म 3 अक्टूबर 1931 को धाराशिव जिले में हुआ था। उन्हें पढ़ने, घूमने और ग़ज़लों का विशेष शौक था। वे मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत और फ्रेंच भाषाओं में दक्ष थे।

पानी के छींटे पर बवाल

- 30 वर्षीय ड्राइवर की बेरहमी से पिटाई
- टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के ससुर-साले सहित तीन गिरफ्तार

मुंबई। भायखला इलाके में मामूली बात से शुरू हुआ एक झगड़ा पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के ससुराल पक्ष की गिरफ्तारी तक पहुँच गया है। घटना शनिवार रात भायखला के हीराबाई कंपाउंड के पास हुई। पीड़ित यूसुफ खान (30) अपनी कार से जा रहे थे। सड़क पर जमा पानी का छींटा शोएब खान (यूसुफ पठान के रिश्तेदार) पर पड़ गया। हालांकि ड्राइवर यूसुफ ने माफी मांग ली थी, लेकिन शोएब ने गाली-गलौज शुरू कर दी और बांस के डंडे से कार का शीशा तोड़ दिया। जब पीड़ित यूसुफ खान अपने परिवार के साथ भायखला पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराने जा रहे थे, तभी रास्ते में खालिद खान (यूसुफ पठान के ससुर), उनके बेटे उमरसाद पठान (साले) और अन्य रिश्तेदारों ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों ने बेसबॉल बैट और लाठियों से पीड़ित परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित के भाई सलमान का हाथ फ्रैक्चर हो गया और उनके चाचा जकी अहमद को भी गंभीर चोटें आईं। पीड़ित यूसुफ खान को भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

सीसीटीवी फुटेज और 3 गिरफ्तारियां

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें मारपीट की पूरी घटना साफ दिखाई दे रही है। इसके आधार पर पुलिस ने खालिद खान, उमरसाद पठान और एक अन्य रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी शहबाज पठान फिलहाल फरार है। भायखला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं (हमला, गंभीर चोट पहुंचाना और आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दूसरी ओर, आरोपियों की तरफ से भी एक क्रॉस-एफआईआर दर्ज कराई गई है।

स्वयंभू बाबा खरात पर धोखाधड़ी का नया मामला दर्ज

मुंबई/नासिक। नासिक जिले के सिन्नार थाने में स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ धोखाधड़ी का एक और मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले से ही अन्य गंभीर मामलों में हिरासत में है और अब उसके खिलाफ आर्थिक अपराध से जुड़ी नई शिकायत सामने आई है। अशोक खरात (55), जो एक मंदिर न्यास का प्रमुख बताया जाता है, को पिछले महीने एक महिला की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि उसके साथ तीन वर्षों तक दुष्कर्म किया गया। इस मामले के बाद नासिक और अहिल्यानगर जिलों में उसके खिलाफ यौन शोषण और धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

फर्जी खातों के जरिए लाखों का लेन-देन

ताजा एफआईआर के मुताबिक, खरात और उसके सहयोगियों ने शिकायतकर्ता नारायण रामचंद्र घोटेकर समेत अन्य लोगों के नाम पर कुंडेवाड़ी स्थित एक सहकारी क्रेडिट सोसायटी में 32 बैंक खाते खोले। आरोप है कि इन खातों के जरिए 10 अगस्त 2016 से 31 अक्टूबर 2023 के बीच करीब 57.90 लाख रुपये का लेन-देन बिना खाताधारक की जानकारी के किया गया।

नियमों की अनदेखी, दस्तावेजों की नहीं हुई जांच

शिकायत में कहा गया है कि खाते खोलते समय आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे अनिवार्य दस्तावेजों का सत्यापन नहीं किया गया। इस तरह बैंकिंग नियमों की अनदेखी कर फर्जी तरीके से खातों का संचालन किया गया, जिससे धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5) (आपराधिक विश्वासघात) और 318 (धोखाधड़ी) के तहत केस दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और खुलासे हो सकते हैं।

युवा शक्ति जागरण यात्रा से युवाओं को नई दिशा : फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 'युवा शक्ति जागरण यात्रा' का उद्देश्य युवाओं को अराजकता फैलाने वाली शक्तियों से जागरूक कर सही दिशा में आगे बढ़ाना है। मुंबई में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह यात्रा युवाओं को संविधान और व्यवस्था के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि महाराष्ट्र की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यदि इस युवाशक्ति को संगठित कर सही दिशा दी जाए, तो राज्य में बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'अर्बन नक्सलवाद' जैसी शक्तियां युवाओं के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही हैं, जिसे यह यात्रा चुनौती देगी।

हर वर्ग तक पहुंचेगी यात्रा

फडणवीस ने कहा कि यह यात्रा केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि गांव-गांव तक पहुंचेगी। किसान, मजदूर, छात्र और आईटी क्षेत्र से जुड़े युवाओं सहित समाज के हर वर्ग को जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय विचारधारा से प्रेरित किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षाओं के अनुरूप युवाओं को एकजुट करने की दिशा में अहम पहल है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का भी उद्देश्य है।

युवा नेतृत्व को मिलेगा मार्गदर्शन

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णराज महाडिक ने कहा कि इस यात्रा के जरिए समाज के सभी वर्गों के युवाओं तक पहुंच बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य के नेताओं के मार्गदर्शन से यह अभियान युवाओं के लिए प्रेरणादायक और मार्गदर्शक साबित होगा।

बांग्लादेशी नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट में डालने की साजिश : किरीट सोमैया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

किरिट सोमैया ने महाराष्ट्र की कई विधानसभा सीटों में कथित तौर पर बांग्लादेशी नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस मुद्दे को साजिश बताते हुए चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप और जांच की मांग की है। सोमैया के अनुसार, चिखली विधानसभा क्षेत्र में करीब 20 हजार और धुले में लगभग 22 हजार संदिग्ध नाम जोड़े गए हैं। इसके अलावा धुले, मालेगांव, मुंब्रा, संभाजीनगर ईस्ट, अकोला वेस्ट, अमरावती, मालवणी-मलाड, सिल्लोड, भिवंडी और रावेर सहित करीब 30 विधानसभा क्षेत्रों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नाम शामिल किए जाने का दावा किया गया है।

मुख्य चुनाव अधिकारी को सौंपे सबूत

भाजपा नेता ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी एस. चोकालिंगम से मुलाकात कर कथित सबूत सौंपे हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से सूची को शुद्ध करने की मांग की है। इस आरोप के बाद राज्य में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। विपक्षी दलों की ओर से इस पर प्रतिक्रिया का इंतजार है, जबकि प्रशासनिक स्तर पर जांच की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान भाजपा विधायक अनूप अग्रवाल भी मौजूद रहे। उन्होंने भी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग का समर्थन किया।

अक्षय तृतीया पर रोके गए 13 बाल विवाह

मुंबई। मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने बताया कि अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने राज्यभर में 13 बाल विवाह समय रहते रोककर बड़ी सामाजिक पहल की है। सामूहिक विवाहों की आड़ में बाल विवाह की आशंका को देखते हुए विभाग ने पहले से ही सतर्कता बरती और व्यापक कार्रवाई की। अक्षय तृतीया को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानते हुए संभावित जोखिम को देखते हुए विभाग ने उच्च स्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की थी। इसमें सचिव, आयुक्त, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए गए कि संदिग्ध विवाहों पर कड़ी नजर रखी जाए और तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन ने जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), आंगनवाड़ी सेविकाओं और ग्राम समितियों के माध्यम से अभियान चलाया। कीर्तन, पथनाट्य, पदयात्रा और पोस्टरों के जरिए लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया, जिससे समाज में जागरूकता बढ़ी।

कई जिलों में कार्रवाई, आगे भी जारी रहेगा अभियान

अहिल्यानगर में 5, धाराशिव और यवतमाल में 2-2 तथा रायगढ़, बुलढाणा, छत्रपति संभाजीनगर और परभणी में 1-1 बाल विवाह रोके गए। यवतमाल में एक मामले में एफआईआर भी दर्ज की गई। मंत्री ने कहा कि यह अभियान समाज में मजबूत संदेश देता है और भविष्य में भी इस कुप्रथा को खत्म करने के लिए इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

खराब स्वास्थ्य के कारण मतदान नहीं कर सकेंगे शरद पवार

बारामती उपचुनाव

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि वे 23 अप्रैल को होने वाले बारामती विधानसभा उपचुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। 85 वर्षीय पवार ने बताया कि अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें किसी भी प्रकार की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी है। उन्होंने कहा कि वह दशकों पुरानी परंपरा के अनुसार बारामती जाकर वोट डालना चाहते थे, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा।

पश्चिम रेलवे

क्लोरीन फिल्टर का संशोधन और स्थानांतरण

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-13, **निविदा सूचना संख्या: WR-PL-ME-EST-641521-B दिनांक: 18.04.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** कार्य के दायरे के अनुसार LHB प्रकार के कोचों में IR-DRDO बायोडाइजेस्टर में क्लोरीन फिल्टर का संशोधन और स्थानांतरण एवं **R.B. पत्र संख्या 2021/M(C)/141/2Pt2, दिनांक: 08.05.2025 के अनुसार बायोडाइजेस्टर टैंक के S ट्रैप में संशोधन। विज्ञापित लागत:** 2,95,23,600, ईएमडी: 5,90,500/-, ऑनलाइन ई-बिड्स जमा करने और ई-टेंडर खोलने की अंतिम तिथि और समय: 13.05.2026 तक, 13:00 बजे। बिड फॉर्म और अन्य विवरण जैसे कि कोरिजेंडम वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। 0016

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे दादर और हजरत निजामुद्दीन के बीच एसी सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन नंबर	प्रारंभ स्टेशन और गंतव्य स्टेशन	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
04001	दादर–हजरत निजामुद्दीन	23.04.2026 से 16.07.2026 तक	00:15 बजे (गुरुवार)	21:35 बजे (उसी दिन)
04002	हजरत निजामुद्दीन– दादर	28.04.2026 से 14.07.2026 तक	23:45 बजे (मंगलवार)	22:40 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा एवं कोसी कलां स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव रहेगा।

रचना: फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर एवं एसी 3-टियर कोच।

समय, ठहराव एवं रचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं।

ट्रेन संख्या 04001 के लिए बुकिंग 22.04.2026 से सभी PRS काउंटरों तथा IRCTC वेबसाइट पर खुल जाएगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें और हमें फॉलो करें
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

ममता को हराने के लिए दो लाख से अधिक सीआरपीएफ कर्मी तैनात : उद्धव

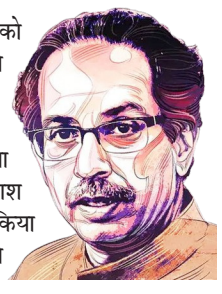

मुंबई। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। ठाकरे ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए दो लाख से अधिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी भारी सुरक्षा तैनाती के बीच मतदाता किस तरह निडर होकर मतदान कर पाएंगे। ठाकरे ने ममता बनर्जी का जिक्र करते हुए कहा कि वह 'शेरनी की तरह' चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एजेंसियों का इस्तेमाल कर उनके सहयोगियों को निशाना बना रही है, जिससे चुनावी माहौल प्रभावित हो सकता है। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों पर छापेमारी की जा रही है। उनका इशारा राजनीतिक रणनीति कंपनी आई-पैक से जुड़े मामलों की जांच की ओर था। ठाकरे ने कहा कि जब मणिपुर में जातीय हिंसा चल रही थी, तब वहां केवल 30 हजार सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए थे। उन्होंने इस तुलना के जरिए केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए।

गृहनिर्माण विभाग

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/ARES/OW/२०२६/१७४२८
सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा. दिनांक: २०/०४/२०२६.

-: ऑनलाईन सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची नोटीस :-

त्रिवेणी संगम हरिजन एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, सी.टी.एस.नं. ४०८ (पार्ट), ४०८/१ ते ३, ४१२ (पार्ट), ४१२/२ ते १०, ४१२/१८, ४१२/२० ते ५४ ऑफ व्हिलेज कांजूर, टैंक रोड, भांडुप (प), मुंबई ४०० ०७८ या नोंदणीकृत संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वितरण करण्यासाठी प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६२ नुसार मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपुप्रा, मुंबई यांचेकडील दि. २०.०३.२०२६ रोजीच्या पत्रान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

सदर संस्थेच्या पुनर्वसन इमारतीमधील निवासी सदनिकांचे सोडत ऑनलाईन पध्दतीने वितरण **दि. २४/०४/२०२६ रोजी, सकाळी १०.३० वाजता, स्थळ प्राधिकरणाच्या कार्यालयात ऑनलाईन पध्दतीने झुम ॲप (Zoom App)** वर आयोजित केलेली आहे.

-: सभेचा विषय :-

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६२ / दि. २३/१०/२०१५ व ऑनलाईन झुम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पुनर्वसन योजनेतील इमारतीमधील एकूण ९५ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

झुम ऐप (Zoom App) वरील लिंक: https://us04web.zoom.us/j/87880917600
Meeting ID: 87880917600
Passcode: 123456
ठिकाण : मुंबई.
दिनांक : २०/०४/२०२६.

सही/-
(आर. एन. हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
प्राधिकृत अधिकारी श्रेणी-१, झोपुप्रा. मुंबई.

टिप : १) सोडतीसाठी पात्र (पती/पत्नी) झोपडीधारकांनीच ऑनलाईन लॉटरी मध्ये विहीत वेळेत व तारखेस सहभागी व्हावेत.
२) सोडतीच्या वेळी ज्या झोपडीधारकांचे नाव परिशिष्ट-२ मध्ये पात्र आहेत अशा व्यक्ती अंध, अपंग, विधवा महिला कुटुंब प्रमुख यांनी पुनर्वसन इमारतीमधील खालच्या मजल्यावरील सदनिका हवी असल्यास दि. २३/०४/२०२६ रोजी पर्यंत लेखी पत्राने मागणी केल्यास परिपत्रकातील तरतूदीनुसार सदनिका वाटप करण्यात येईल. सदर गटातील व्यक्तींनी ई-मेल आयडीवर शासनमान्य अंध, अपंग याबाबतचा पुरावा सादर करणे आवश्यक आहे. तसेच विधवा झोपडीधारकांनी पतीचा मृत्यू दाखला सदर अर्जासोबत सादर करणे आवश्यक आहे.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

संख्या: Dy.Ch.E.(O&M)/et-03/SWD दिनांक 21.04.2026

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
eT-03 (टेंडर आईडी: 2026_MCGM_1296678_1)

विभाग	मुख्य अभियंता (SWD)
उप-विभाग	उप मुख्य अभियंता (O&M) SWD
विषय	Dy.Ch.E. (O&M) SWD के अंतर्गत G/South एवं G/North वार्ड में मानसून के दौरान 11 संख्या SWD आउटफॉल्स की सफाई एवं प्रवाह बनाए रखने का कार्य
ई-टेंडर बिक्री	दिनांक: 22.04.2026 समय: 11.00 बजे से
ई-टेंडर जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक: 30.04.2026 समय: 16.00 बजे तक
वेबसाइट	http//mahatenders.gov.in
संबंधित अधिकारी का नाम	श्रीमती वनिता कोकाटे, कार्यकारी अभियंता (O&M) मैकेनिकल. SWD; श्री विनोद भाबल ए.ई. (O&M) एम. SWD
टेलीफोन नंबर (कार्यालय)	022-24309817, 022-24309472
मोबाइल नंबर	9833539029, 9869540378
ई-मेल पता	dyche01onm.swd@mcgm.gov.in eeomcity01.swd@mcgm.gov.in

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (O&M)
एम. SWD

पीआरओ/145/विज्ञा./2026-27

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मध्य रेल
विद्युत कार्य

खुली ई–निविदा सूचना क्र.: 04 / 2026
दिनांक: 17.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली ई–निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना क्र.:** 4 / 2026 (BB.LG.W.KJT.2026.01). **कार्य का विवरण: (A).** उल्हासनगर–कर्जत खंड में प्लेटफॉर्म के खुले भाग पर नए शेड की व्यवस्था और खराब जल निकासी नाली एवं नीचे जाने वाले पाइपों के प्रतिस्थापन का विद्युतकरण कार्य करने हेतु। **(B).** दक्षिण–पूर्व खंड में कर्जत से आगे खोपोली तक 15–कोच ईएमयू सेवाओं के संचालन के लिए प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए विद्युतीकरण कार्य करने हेतु। **(C).** कल्याण से आगे कर्जत एवं खोपोली तक 15–कोच ईएमयू सेवाओं के संचालन के लिए वांगनी, शेलू, भिवपुरी रोड एवं कर्जत स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए विद्युतीकरण कार्य करने हेतु। **कार्य की औसत लागत:** 2,02,82,906/-, **बोली प्रतिभूति:** 4,05,700/-, **वैधता:** 60 दिन, **समापन अवधि:** 12 माह (समापन), **अनुदेश:** 1. उपर्युक्त निविदा की बंद होने की तिथि एवं समय **11.05.2026** को 13:00 बजे और उसी दिन 13:00 बजे बाद खोली जाएगी। 2. निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो, की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। 3. निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से केवल ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं एवं मेनुअल रूप से निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 4. आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) मध्य रेलवे एनेक्स बिल्डिंग पहली मंजिल सी.एस.एम.टी. 400001 से संपर्क कर सकते हैं। 5. यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। DE-71

सुरक्षित यात्रा करें,
फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

छात्रों का आत्मघात

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में दो महीनों के दौरान चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संस्थान ही नहीं, शैक्षिक जगत और उनके परिवारों की भी अपूरणीय क्षति है। घटनाएं तकनीकी संस्थानों में तनाव प्रबंधन और मानसिक उपचार की खामियों को भी उजागर करती हैं। कोई व्यक्ति आत्मघाती कदम तब ही उठाता है जब उसे उम्मीद के सारे दरवाजे बंद नजर आते हैं। इस घातक कदम को उठाने से पहले वो तनाव के चरम से जूझते हुए किस मानसिक कष्ट से गुजरता होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। उसकी मनःस्थिति इतनी हताशा से भरी होती है कि आत्महत्या जैसा पीड़ादायक-घातक रास्ता उसे समाधान नजर आता है। विडंबना है कि हम संभावनाओं के इस दुखद अंत को मूकदर्शक बने देखते हैं। हम आत्महत्या के आंकड़ों व संख्या का जिक्र ही करते हैं, लेकिन उसे पाल-पोसकर बड़ा करने वाले मां-बाप पर हुए वज्रपात का अहसास नहीं करते। उच्च तकनीकी संस्थान की दहलीज तक पहुंचने में बच्चे कितना शरीर को गलाते हैं। उन्हें पालने-पोसने व बड़ा करने में मां-बाप अपना खून पसीना एक कर देते हैं। हर बच्चा चांदी का चम्मच लेकर पैदा नहीं होता। उसके इस मुकाम तक पहुंचने में माता-पिता का त्याग शामिल होता है। कई अभिभावक बैंकों से कर्ज लेकर इन तकनीकी संस्थानों में बच्चों का एडमिशन कराते हैं। कई पैरेंट्स इस लायक बनाने के लिये पैसा कोचिंग संस्थानों में बहाते हैं। फिर एक दिन खबर आती है कि उनकी उम्मीदों ने आत्मघात कर लिया। हमें उनके दर्द को अपने दर्द की तरह महसूस करना चाहिए। इन घटनाओं के बाद एनआईटी ने एक पांच सदस्यीय जांच समिति बनायी है। लेकिन क्या समिति उन बच्चों का जीवन लौटा पाएगी? दूसरी ओर राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रकरण में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। वहीं एनआईटी ने छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिये कुछ अलग समितियां भी बनायी हैं। देश के विभिन्न उच्च तकनीकी संस्थानों में छात्रों के आत्मघात की खबरें अकसर आती हैं। कुछ साल पहले शिक्षा मंत्रालय ने संसद को बताया था कि साल 2018-2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों के 98 छात्रों ने आत्महत्या की थी। इनमें सबसे ज्यादा सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में हुई थी। उसके बाद आत्मघात करने वाले छात्र एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के थे। जाहिर है इन संस्थानों में कुछ तो ऐसा घट रहा है, जिससे हमारी संवेदनशील प्रतिभाएं साम्य नहीं बैठा पा रही हैं। विडंबना यह है कि देश के हर संस्थान व शासन-प्रशासन के स्तर पर आग लगने पर कुआं खोदने की मनोवृत्ति बनी हुई है। इन संस्थानों में पूरे देश की चुनिंदा प्रतिभाएं ही पहुंचती हैं। जो एक गलाकाट स्पर्धा के दौर से गुजरकर यहां तक आती हैं। लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा ऐसा है जो बच्चों को किताबी कीड़ा तो बनाता है, लेकिन चुनौतियों से जूझने लायक नहीं बनाता। अब वे शिक्षक भी नहीं रहे जो छात्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर पढ़ाएं। बड़ी संख्या ऐसे शिक्षकों की है जिनकी प्राथमिकता अपने विषय और वेतन-भत्तों व सुविधाओं तक ही सीमित रह गई है। परवरिश के स्तर पर भी नहीं सिखाया जाता कि जीवन में बुरे से बुरा घटने पर बिना विचलित हुए कैसे उस चुनौती का सामना किया जाए। परिवार की उम्मीदों का बोझ ढोते, ये प्रतिभावान बच्चे जब असफलता के भय से ग्रस्त होते हैं तो आत्महत्या को अंतिम विकल्प के रूप में सोचने लगते हैं। ऐसी घटनाएं होने पर शिक्षण संस्थानों द्वारा फौरी तौर पर जो कदम उठाये जाते हैं, वे कारगर साबित नहीं होते। किसी आत्महत्या का मामला प्रकाश में आने के बाद हाय-तौबा होती है, तब घोषणाएं होती हैं। फिर वही ढाक के तीन पात। तनाव से गुजरते छात्रों पर पैनी नजर रखने की जरूरत होती है। ये बच्चे बेहद संवेदनशील व ईमानदार होते हैं, जो अपने को साबित न कर पाने पर आत्मघात की राह चुन लेते हैं।

शख्सियत | व्लादिमीर इलिच उल्यानोव

आधुनिक रूस के निर्माता और महान क्रांतिकारी

व्लादिमीर इलिच उल्यानोव, जिन्हें दुनिया व्लादिमीर लेनिन के नाम से जानती है, 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली और विवादास्पद राजनेताओं में से एक थे। वे न केवल रूसी क्रांति के महानायक थे, बल्कि सोवियत संघ के पहले प्रमुख और मार्क्सवादी विचारधारा को व्यावहारिक रूप देने वाले प्रमुख विचारक भी थे।

लेनिन का जन्म 22 अप्रैल, 1870 को रूस के सिम्बिरस्क में हुआ था। उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया जब उनके बड़े भाई अलेक्सांद्र को ज़ार (रूसी सम्राट) की हत्या की साजिश के आरोप में फांसी दे दी गई। इस घटना ने युवा लेनिन के मन में ज़ारशाही के विरुद्ध गहरा असंतोष पैदा किया। कानून की पढ़ाई के दौरान वे मार्क्सवादी साहित्य की ओर आकर्षित हुए और क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय हो गए, जिसके कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा और कई वर्षों तक निर्वासन में रहना पड़ा।

लेनिन का मानना था कि क्रांति केवल बुद्धिजीवियों द्वारा नहीं, बल्कि अनुशासित और समर्पित क्रांतिकारियों के एक छोटे समूह द्वारा संभव है। इसी विचार ने रूसी सोशल डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी को दो भागों में विभाजित कर दिया—बोल्शेविक (बहुमत) और मेंशेविक। 1917 में, जब रूस प्रथम विश्व युद्ध की मार झेल रहा था और देश में भुखमरी व अस्थिरता चरम पर थी, तब लेनिन रूस लौटे। उन्होंने ₹शांति, भूमि और रोटी₹ का नारा दिया, जिसने जनता के दिलों में जगह बना ली। अक्टूबर 1917 की क्रांति के माध्यम से लेनिन ने सत्ता पर कब्जा किया और दुनिया की पहली समाजवादी सरकार की नींव रखी। सत्ता में आने के बाद लेनिन ने रूस को प्रथम विश्व युद्ध से बाहर निकाला। उनके शासन के शुरुआती साल काफी कठिन थे क्योंकि उन्हें गृह युद्ध का सामना करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने 'वॉर कम्युनिज्म' की नीति अपनाई, लेकिन जब अर्थव्यवस्था चरमराने लगी, तो उन्होंने लचीलापन दिखाते हुए 1921 में नई आर्थिक नीति (NEP) पेश की। इस नीति में समाजवाद के भीतर कुछ हद तक पूंजीवादी तत्वों को स्थान दिया गया, जिससे देश की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ।

लेनिन ने कार्ल मार्क्स के सिद्धांतों को तत्कालीन रूसी परिस्थितियों के अनुसार ढाला, जिसे लेनिनवाद कहा गया। उन्होंने तर्क दिया कि साम्राज्यवाद, पूंजीवाद की अंतिम अवस्था है और गरीब देशों में भी क्रांति की जा सकती है। उनकी संगठन क्षमता और वैचारिक दृढ़ता ने दुनिया भर के उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों को प्रेरित किया। 21 जनवरी, 1924 को लंबी बीमारी के बाद लेनिन का निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को संरक्षित कर मॉस्को के रेड स्क्वायर में एक समाधि में रखा गया, जो आज भी वहां मौजूद है। लेनिन के कार्यों का मूल्यांकन दो नजरियों से किया जाता है। एक ओर उन्हें गरीबों का मसीहा और महान समाज सुधारक माना जाता है, जिन्होंने रूस को एक महाशक्ति बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। दूसरी ओर, उनके आलोचक उन पर तानाशाही स्थापित करने और विरोधियों के दमन का आरोप लगाते हैं।

व्लादिमीर लेनिन एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने इतिहास की

विश्व पृथ्वी दिवस

चेतावनी, जिम्मेदारी और भविष्य का संकल्प

धीरज सिंह
समाचार संपादक

जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। पृथ्वी पर उपलब्ध जल का बहुत छोटा हिस्सा ही पीने योग्य है, और उसका भी अत्यधिक दोहन हो रहा है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। यह स्थिति भविष्य में बड़े सामाजिक और आर्थिक संकट को जन्म दे सकती है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो पर्यावरणीय क्षति सीधे विकास को प्रभावित कर रही है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर वर्ष भारी आर्थिक नुकसान होता है।

विश्व पृथ्वी दिवस केवल एक औपचारिक तिथि नहीं, बल्कि आत्ममंथन का वह क्षण है जब मानवता को अपने अस्तित्व के आधार—पृथ्वी—के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करना चाहिए। हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह समझाने आता है कि जिस धरती ने हमें जीवन, संसाधन और पहचान दी, वही आज हमारे अनियंत्रित विकास की कीमत चुका रही है। आधुनिकता की दौड़ में हमने सुविधाओं का विस्तार तो किया, पर प्रकृति के संतुलन को अनदेखा कर दिया। आज स्थिति यह है कि पृथ्वी की पीड़ा केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों में नहीं, बल्कि बदलते मौसम, असामान्य आपदाओं और बिगड़ते पर्यावरण में साफ दिखाई दे रही है।

सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है, जिसने पूरी पृथ्वी के प्राकृतिक तंत्र को अस्थिर कर दिया है। पिछले सौ वर्षों में औसत तापमान में लगभग 1.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि सुनने में भले ही छोटी लगे, लेकिन इसके परिणाम अत्यंत व्यापक हैं। ग्लेशियरों का तीव्र गति से पिघलना, समुद्र के जलस्तर का बढ़ना और मौसम के चरम रूप—ये सभी उसी के संकेत हैं। कहीं भयंकर सूखा पड़ रहा है तो कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। यह केवल पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व पर सीधा खतरा है।

प्रदूषण ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। प्लास्टिक कचरा आज धरती और महासागरों के लिए अभिशाप बन चुका है। हर वर्ष लाखों टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंचता है, जिससे समुद्री जीवन पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। यह समस्या अब हमारे भोजन और पानी तक पहुंच चुकी है, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक हमारी खाद्य श्रृंखला का हिस्सा बन चुका है। इसके अलावा, वायु प्रदूषण भी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे सांस संबंधी बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई हैं। धरती का हरित आवरण—जंगल—जो पर्यावरण संतुलन के सबसे बड़े रक्षक हैं, तेजी से समाप्त हो रहे हैं। पेड़ों की कटाई से न केवल कार्बन अवशोषण की क्षमता घट रही है, बल्कि जैव विविधता भी संकट में पड़ रही है। अनेक जीव-जंतु अपने प्राकृतिक आवास खो रहे हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो रहा है। जब एक प्रजाति समाप्त होती है, तो उसका प्रभाव पूरे तंत्र पर पड़ता है, जिससे प्रकृति की श्रृंखला कमजोर हो जाती है। जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। पृथ्वी पर उपलब्ध जल का बहुत छोटा हिस्सा ही पीने योग्य है, और उसका भी अत्यधिक दोहन हो रहा है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। यह स्थिति भविष्य में बड़े सामाजिक और आर्थिक संकट को जन्म दे सकती है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो पर्यावरणीय क्षति सीधे विकास को प्रभावित कर रही है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर वर्ष भारी आर्थिक नुकसान होता है। कृषि, उद्योग और मानव जीवन सभी इस संकट से प्रभावित हो रहे हैं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दशकों में बड़ी संख्या में लोग अपने घरों से विस्थापित होकर जलवायु शरणार्थी बन सकते हैं। फिर भी, आशा की किरण पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। दुनिया भर में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग बढ़ रहा है और कई देशों ने कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। तकनीक के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण के नए उपाय खोजे जा रहे हैं, जो भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं होंगी। वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझे। हमें अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करने होंगे—जैसे पानी और ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का सही प्रबंधन और वृक्षारोपण। ये छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। पृथ्वी दिवस हमें यह सिखाता है कि हम केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि इस ग्रह के संरक्षक हैं। पृथ्वी हमारी संपत्ति नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। यदि हमने आज भी अपनी आदतों को नहीं बदला, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। यह समय है जागने का, समझने का और मिलकर कार्य करने का, ताकि हम एक स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित पृथ्वी अगली पीढ़ियों को सौंप सकें।

हमारी गीता

तितिक्षा-मन का समत्व

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

जीवन निरंतर बदलते अनुभवों की एक धारा है, जहां हर क्षण सुख और दुःख, अनुकूलता और प्रतिकूलता हमारे सामने आती रहती हैं। कभी परिस्थितियां हमारे मन के अनुरूप होती हैं तो हम प्रसन्न हो उठते हैं, और जब विपरीत होती हैं तो वही मन विचलित हो जाता है। ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच स्थिर रहना ही सच्ची साधना है। इसी गहन सत्य को श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को समझाते हैं— "मात्राः स्पर्शाः तु कौन्तेय शीत-उष्ण सुख-दुःखदाः तान् तितिक्षस्व भारत।" अर्थात इंद्रियों और विषयों के संयोग से उत्पन्न होने वाले सभी अनुभव क्षणभंगुर हैं, इसलिए उन्हें धैर्यपूर्वक सहन करना ही तितिक्षा है। मनुष्य की इंद्रियां निरंतर बाहरी संसार के संपर्क में रहती हैं। हम जो देखते, सुनते, स्पर्श करते या अनुभव करते हैं, वह सब जीवन का स्वाभाविक भाग है। इस संसार में रंग, रूप, रस, गंध और ध्वनि की अद्भुत विविधता है, जो हमें आकर्षित करती है। इनका अनुभव करना न तो गलत है और न ही पाप। वास्तव में, इंद्रियां हमें इसलिए मिली हैं कि हम इस सृष्टि का अनुभव कर सकें। समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम इन अनुभवों के साथ अपनी आसक्ति और प्रतिक्रिया जोड़ देते हैं। किसी वस्तु या परिस्थिति को हम "अच्छा" या "बुरा" कहकर उससे जुड़ जाते हैं। अनुकूलता मिलने पर हम अत्यधिक प्रसन्न होकर अपने आप को खो देते हैं, और प्रतिकूलता आने पर निराशा में डूब जाते हैं। यही असंतुलन हमारे जीवन में दुःख का कारण बनता है। जबकि सत्य यह है कि हर अनुभव अनित्य है—जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। तितिक्षा हमें सिखाती है कि हम हर परिस्थिति को समभाव से स्वीकार करें। न अत्यधिक हर्ष में बहें, न ही दुःख में टूटें। सुख आए तो संयम रखें, और दुःख आए तो धैर्य बनाए रखें। यही मानसिक स्थिरता हमें भीतर से मजबूत बनाती है। आज के समय में छोटी-छोटी बातों पर लोग निराश होकर गलत निर्णय ले लेते हैं—जैसे पढाई छोड देना, संबंध तोड देना या व्यसन में पड जाना—तब तितिक्षा का यह सिद्धांत अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

जीवन ऊर्जा

आधुनिक दर्शन के शिखर पुरुष इमैनुएल कांट ने दुनिया को सोचने का नया नजरिया दिया। उन्होंने बताया कि ज्ञान केवल बाहरी अनुभवों से नहीं मिलता, बल्कि हमारा मस्तिष्क उसे एक आकार देता है। इमैनुएल कांट का जन्म 22 अप्रैल, 1724 को जर्मनी के कोनिग्सबर्ग (अब रूस का कलिनिनग्राद) में हुआ था। उनके पिता एक साधारण शिल्पकार थे, लेकिन कांट ने अपनी मेधा से दर्शन की दुनिया में क्रांति ला दी। दर्शनशास्त्र के इस महान मनीषी का निधन 12 फरवरी, 1804 को कोनिग्सबर्ग में ही हुआ।

इमैनुएल कांट : जन्म 22 अप्रैल 1724 | जन्म

विवेक के बिना किया गया कार्य अंधा होता है

मनुष्य को हमेशा एक साध्य के रूप में देखें, कभी भी केवल साधन के रूप में नहीं। अनुभव के बिना सिद्धांत केवल बौद्धिक खेल है। हम वस्तुओं को वैसे नहीं देखते जैसी वे हैं, बल्कि वैसे देखते हैं जैसे हम हैं। किसी व्यक्ति के चरित्र का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जो उसके लिए कुछ नहीं कर सकते। प्रसन्नता तर्क का आदर्श नहीं, बल्कि कल्पना का आदर्श! ज्ञान की सीमाएं अनुभव की सीमाओं के साथ समाप्त होती हैं। ईश्वर, स्वतंत्रता और अमरता तीन ऐसे विषय हैं जिनका समाधान केवल तर्क से संभव नहीं। आकाश की विशालता और नैतिकता की गहराई मनुष्य को उसकी लघुता का बोध कराती है। धर्म वह है जिसमें हम अपने सभी कर्तव्यों को ईश्वरीय आदेशों के रूप में पहचानते हैं। विवेक के बिना किया गया कार्य अंधा होता है। स्वतंत्रता ही वह एकमात्र अधिकार है जो मनुष्य को जन्म से मिलता है। झूठी विनम्रता असल में एक प्रकार का अहंकार ही है। शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना है। शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय की उपस्थिति है। तर्क ही वह प्रकाश है जो हमें अज्ञानता के अंधेरे से बाहर निकालता है। सौंदर्य वह है जो बिना किसी निजी स्वार्थ के प्रसन्नता प्रदान करे। सत्य बोलना एक ऐसा कर्तव्य है जिसे किसी भी स्थिति में टाला नहीं जा सकता। धैर्य वह सहारा है जो मनुष्य को कठिन समय में टूटने नहीं देता। जो व्यक्ति खुद को कीड़ा बना लेता है, उसे बाद में शिकायत नहीं करनी चाहिए कि उसे कुचला जा रहा है। मृत्यु से डरना नहीं चाहिए, बल्कि एक व्यर्थ जीवन से डरना चाहिए। कानून तभी प्रभावी होते हैं जब वे नैतिकता की नींव पर टिके हों। मनुष्य की गरिमा उसकी तर्क करने की क्षमता में निहित है। संसार का सबसे कठिन कार्य स्वयं को जानना है। दयालुता ही वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं। प्रगति के बिना जीवन स्थिर और अर्थहीन हो जाता है।

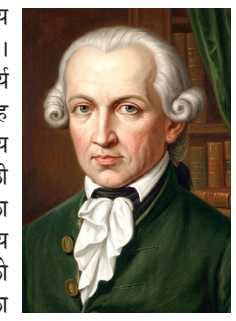

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

साहस : मनुष्य की दिव्य शक्ति

जब जीवन की राह अचानक कठिन मोड़ लेती है, जब परिस्थितियाँ हमारे धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेने लगती हैं, तब एक ही शक्ति है जो हमें टूटने से बचाती है—वह है साहस। यह केवल बाहरी बल या वीरता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भीतर की वह दिव्य ऊर्जा है जो मनुष्य को असंभव प्रतीत होने वाले कार्यों को भी संभव बनाने का सामर्थ्य देती है। सनातन दृष्टि में मनुष्य "अमृतस्य पुत्र" है—अर्थात वह किसी सीमित सत्ता का नहीं, बल्कि अनंत चेतना का अंश है। ऐसे में यह विचार ही तुच्छ लगता है कि कोई लक्ष्य हमारे साहस से बड़ा हो सकता है। साहस का सर्वोत्तम उदाहरण हमें श्रीमद्भगवद्गीता में मिलता है। कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि में जब अर्जुन मोह और विषाद से घिरकर अपने कर्तव्य से विमुख हो गए, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध की प्रेरणा नहीं दी, बल्कि मानसिक दृढ़ता का पाठ पढ़ाया। "क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ" के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया कि यह युद्ध केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि भीतर की दुर्बलताओं से है। यहाँ संदेश यह है कि हार मैदान में नहीं, मन में होती है। जो व्यक्ति अपने भीतर के भय को जीत लेता है, वही वास्तविक विजेता बनता है। इसी प्रकार रामायण में श्रीराम का जीवन साहस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। एक वनवासी राजकुमार का रथ, सेना और संसाधनों के बिना रावण जैसे शक्तिशाली शत्रु से टकराना केवल साहस का ही परिणाम था। हनुमान जी का समुद्र लांघना भी इसी सत्य को प्रमाणित करता है कि जब लक्ष्य ऊँचा हो और संकल्प अडिग, तो प्रकृति भी मार्ग प्रशस्त कर देती है। जामवंत द्वारा हनुमान को उनकी शक्ति का स्मरण कराना यह दर्शाता है कि अक्सर हम अपनी ही क्षमता को भूल जाते हैं और परिस्थितियों को दोष देते हैं। सनातन संस्कृति में हार की परिभाषा भी अद्वितीय है। यहाँ हार उस व्यक्ति की नहीं मानी जाती जो असफल हो गया, बल्कि उसकी मानी जाती है जिसने प्रयास करना छोड़ दिया। उपनिषदों का संदेश "उत्तिष्ठत जाग्रत" हमें निरंतर जागृत और कर्मशील रहने की प्रेरणा देता है। राजा बलि और महाराज हरिश्चंद्र जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य और साहस का साथ नहीं छोड़ना ही वास्तविक विजय है। महर्षि वशिष्ठ ने भी स्पष्ट किया है कि भाग्य कोई बाहरी शक्ति नहीं, बल्कि हमारे पूर्व कर्मों का परिणाम है। इसका अर्थ यह है कि आज का पुरुषार्थ ही कल का भाग्य बनाता है। आधुनिक विज्ञान जिसे 'विलपावर' कहता है, हमारे शास्त्र उसे 'संकल्प शक्ति' के रूप में स्वीकारते हैं। यही संकल्प शक्ति दशरथ मांझी जैसे साधारण व्यक्ति को असाधारण बना देती है, जो अकेले ही पहाड़ को काटकर रास्ता बना देता है। वास्तव में जीवन स्वयं एक कुरुक्षेत्र है, जहाँ प्रतिदिन हमारे भीतर संशय और साहस का संघर्ष चलता रहता है। संशय हमें भयभीत करता है, जबकि साहस हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इतिहास साक्षी है कि नाम उन्हीं का अमर होता है जो संघर्ष का मार्ग चुनते हैं, न कि उनका जो किनारे बैठकर अवसरों की प्रतीक्षा करते रहते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी भीतर छिपी दिव्य शक्ति को पहचानें। कोई भी बाधा हमारे आत्मबल से बड़ी नहीं हो सकती। यदि हम साहस के साथ आगे बढ़ते हैं, तो न केवल अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने जीवन को भी सार्थक बना सकते हैं। साहस ही वह ज्योति है जो अंधकार को दूर कर मनुष्य को उसके सर्वोच्च शिखर तक पहुँचाती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

जज साहिबा बार-बार एक राजनीतिक संगठन के कार्यक्रम में शामिल होती हैं। सिर्फ शामिल ही नहीं, बल्कि पुरस्कार अपने हाथों ग्रहण भी करती हैं। जब विरोधी विचारधारा के नेता सवाल उठाते हैं, तो उन्हें नैतिकता का पाठ पढ़ाती हैं। राज्यसभा की सीट तो मानो पक्की ही है। अद्भुत... सच में अद्भुत।

-विनय मिश्रा
नेता, आप पार्टी

केजरीवाल और अन्य लोगों की तरफ से दी गई खुद को मामले से अलग करने की अर्जियों ने उनकी निष्पक्षता और गरिमा को चुनौती दी थी। यह बात साफ थी कि मुझे खुद को इस मामले से अलग कर लेना चाहिए या नहीं। लेकिन मैंने अर्जी पर फैसला

-स्वर्ण कांता शर्मा
जस्टिस, दिल्ली हाई कोर्ट

आज की बात करें तो उत्तर प्रदेश का चुनावी मैदान एकतरफा बिल्कुल नहीं है। यहां का मैदान फंसा हुआ है। लोकसभा में अखिलेश यादव का जो चेक चला वह बाउंस नहीं हुआ है। बहुत सारे लोगों को भ्रम है कि लोकसभा चुनाव में चल गया तो अब नहीं चलेगा, ऐसा नहीं है।

-कुमार विश्वास
राष्ट्रीय कवि

जो कारोबारी और स्टॉकिस्ट आज भाजपा के साथ हैं, उनका भ्रम भी जल्द ही टूट जाएगा। भाजपा किसी की सगी नहीं है, वह सिर्फ उस अकूत धन की सगी है जो कमीशन और चंदे के नाम पर वसूला जाता है।भाजपा का बुलडोजर दुकानों पर नहीं बल्कि देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था पर चल रहा है।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

टेबल टेनिस, शूटिंग और वेटलिफ्टिंग के लिए खिलाड़ियों का चयन शुरू

ठाणे। महाराष्ट्र राज्य खेल एवं युवा सेवा निदेशालय द्वारा शुरू की गई 'मिशन लक्ष्यवेध' पहल के तहत अब ठाणे जिला स्तर पर खेल उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिसके लिए प्रतिभाशाली एथलीटों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य खेल बुनियादी ढांचे, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रणाली और खेल चिकित्सा जैसी सुविधाओं को मजबूत कर खिलाड़ियों की क्षमता का वैश्विक स्तर पर विकास करना है। ठाणे जिले में विशेष रूप से टेबल टेनिस, शूटिंग और वेटलिफ्टिंग के लिए एक्सीलेंस सेंटर शुरू किए जा रहे हैं, जहाँ प्रत्येक खेल के लिए 20 चयनित खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे।

दादर एवं हजरत निजामुद्दीन के बीच एसी स्पेशल ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान उनकी बढ़ती यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए दादर एवं हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष किराये पर एसी स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन संख्या 04001 दादर – हजरत निजामुद्दीन स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को दादर से 00:15 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 21:35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 अप्रैल से 16 जुलाई, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 हजरत निजामुद्दीन – दादर स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को हजरत निजामुद्दीन से 23:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:40 बजे दादर पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल से 14 जुलाई, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा एवं कोसी कलां स्टेशनों पर रुकेगी।

मीरा-भाईंदर मनपा का ई-गवर्नेंस में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राज्य स्तरीय तृतीय पुरस्कार से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

डिजिटल प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मीरा-भाईंदर महानगरपालिका को ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तरीय तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो की 2025-26 के अंतर्गत ई-गवर्नेंस (ई-ऑफिस) के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हेतु मनपा को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के कुल 29 नगर निगमों ने भाग लिया था, जिनमें एमबीएमसी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में आयोजित समारोह में एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा को 4 लाख रुपये की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

> "यह सम्मान मनपा के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। 60 दिन में 100% ई-ऑफिस का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण था,हमारा लक्ष्य नागरिकों को घर बैठे सभी सुविधाएँ देना है। आने वाले समय में एआई आधारित शिकायत निवारण प्रणाली भी शुरू की जाएगी।
>
> – राधाबिनोद शर्मा, आयुक्त, एमबीएमसी

सभी विभागों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस की स्थापना

गौरतलब है कि एमबीएमसी महाराष्ट्र का पहला ऐसा नगर निगम बन गया है, जिसने केवल 60 दिनों की अल्पावधि में अपने सभी विभागों में 100 प्रतिशत ई-ऑफिस की स्थापना कर ली है। इस अभूतपूर्व कार्य के लिए मनपा को एनआईसी की ओर से आधिकारिक प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुआ है।

ई-ऑफिस प्रणाली का सफल कार्यान्वयन

ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से मनपा के दैनिक कार्यों जैसे पत्राचार, अनुमोदन प्रक्रिया और अभिलेख प्रबंधन में आमूलचूल परिवर्तन आया है। कागजी फाइलों का युग अब समाप्त हो चुका है।

पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी

इस प्रणाली से सबसे बड़ा लाभ पारदर्शिता के रूप में मिला है। अब हर फाइल पर डिजिटल टाइम-स्टैंप लगता है। किस अधिकारी के पास फाइल कितने समय तक लंबित रही, यह तुरंत पता चल जाता है।

डिजिटल प्रशासन के ठोस फायदे

1. व्यापक डिजिटलीकरण: अब तक 1.49 लाख से अधिक आवक रिकॉर्ड और 8,800 से ज्यादा फाइलें पूर्णत: डिजिटल रूप में संचालित की जा चुकी हैं।

2. त्वरित निपटारा: लगभग 90 प्रतिशत आवक पत्रों का निपटारा तीन दिनों के भीतर किया जा रहा है। फाइलों का औसत निपटारा समय भी घटकर सात दिन रह गया है।

3. सेवा दक्षता में सुधार: पहले जो फाइलें सप्ताहों तक विभागों में घूमती थीं, अब डिजिटल माध्यम से कुछ ही घंटों में संबंधित अधिकारी तक पहुँच रही हैं।

नागरिकों को सीधा लाभ

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, गुमास्ता लाइसेंस, संपत्ति हस्तांतरण जैसी नागरिक सेवाओं की फाइलें भी अब तेजी से निपट रही हैं। नागरिकों को बार-बार मनपा के चक्कर नहीं काटने पड़ते और काम की स्थिति मोबाइल पर ही पता चल जाती है। मीरा-भाईंदर मनपा ने राज्य के अन्य नगर निकायों के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

नामकरण को लेकर 'छावा' का आंदोलन तेज

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शहर के मुख्य बाजार स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के नामकरण को लेकर 'छावा' संगठन ने आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन का कहना है कि आमतौर पर नागरिक इस चौक को 'शिवाजी चौक' कहकर संबोधित करते हैं, जो कि पूर्ण सम्मानजनक नहीं है। इसलिए इसका आधिकारिक नाम बदलकर 'श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज चौक' करने की मांग उठाई गई है। संगठन ने महापौर अश्विनी निकम और मनपा प्रशासन से आम सभा में प्रस्ताव पारित कर इस नामकरण को मंजूरी देने की अपील की है। उनका कहना है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास और वीरता को नई पीढ़ी के सामने सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करना जरूरी है, और यह नामकरण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रतिमा की स्थिति पर भी उठे सवाल

शिविर कैंप-3 स्थित शिवाजी महाराज की प्रतिमा की हालत को लेकर भी संगठन ने चिंता जताई है। प्रतिमा में कई जगह क्षति होने का दावा किया गया है और इसे चबूतरे सहित पुनर्स्थापित करने की मांग की गई है। साथ ही, सोशल मीडिया रील बनाने के दौरान प्रतिमा पर दूध, दही और पानी डालने जैसी गतिविधियों को अपमानजनक बताते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग उठाई गई है।

निखिल गोले ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

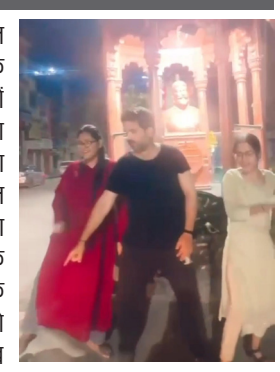

'छावा' संगठन के प्रदेश अध्यक्ष निखिल गोले ने महापौर को ज्ञापन सौंपकर चौक का नाम बदलने और क्षेत्र के सभी दुकानों व प्रतिष्ठानों के पते में नए नाम का उपयोग अनिवार्य करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यह मांग कई वर्षों से लंबित है और अब इस पर ठोस निर्णय लिया जाना चाहिए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो 27 अप्रैल 2026 को चौक पर एक दिवसीय प्रतीकात्मक भूख हड़ताल की जाएगी। इस संभावित आंदोलन से शहर में एक बार फिर नामकरण और सांस्कृतिक सम्मान का मुद्दा चर्चा में आ गया है।

पुराने ठाणे में बदले जाएंगे जर्जर सीवरेज चैनल

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर के पुराने हिस्सों में करीब 50 साल पुराने और जर्जर हो चुके सीवरेज चैनलों को अब बदला जाएगा। अमृत योजना 2 के तहत इस परियोजना के लिए लगभग 350 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्थानीय विधायक संजय केलकर ने भरोसा जताया है कि मानसून के बाद शुरू होने वाला यह काम डेढ़ से दो साल में पूरा कर लिया जाएगा।

लीकेज और स्वास्थ्य समस्याओं से मिलेगी राहत

पुराने और छोटे आकार के ये सीवरेज चैनल बढ़ती आबादी के दबाव को झेलने में सक्षम नहीं हैं। बार-बार लीकेज की समस्या के कारण इलाके में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों की लगातार शिकायतों के बाद इन चैनलों को हटाकर बड़े और आधुनिक सीवरेज सिस्टम स्थापित करने की योजना तैयार की गई है।

जनभागीदारी के साथ परियोजना को गति

इस परियोजना को लेकर खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें निरंजन डावखरे सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में स्थानीय लोगों को योजना की जानकारी दी गई और उनके सुझाव भी लिए गए।

नाला सफाई का मेयर और आयुक्त ने किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर में प्री-मॉनसून नाले सफाई अभियान तेज़ी से जारी है। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और कमिश्नर सौरभ राव ने विभिन्न इलाकों का दौरा कर कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि नालों से निकाली गई गाद को वहीं न छोड़ा जाए, बल्कि सूखने के बाद उचित स्थान पर वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाए। साथ ही जरूरत के अनुसार सुरक्षा दीवारों की मरम्मत और रोबोटिक मशीनों के उपयोग पर भी जोर दिया गया।

स्ट्रक्चरल ऑडिट और एजेंसियों में समन्वय

निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर पुरानी पुलिया और कैसल मिल क्षेत्र के पुल की खराब स्थिति सामने आई। इस पर संबंधित विभाग को वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के माध्यम से स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एमएमआरडीए, मेट्रो, एमएसआरडीसी और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है। नाले सफाई कार्य में जहां संभव है वहां रोबोटिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जबकि संकरे नालों में मैनपावर की मदद ली जा रही है। मजदूरों की सुरक्षा के लिए रबर बूट, ग्लव्स, मास्क और फर्स्ट एड किट की व्यवस्था अनिवार्य की गई है।

प्रमुख इलाकों में निरीक्षण, अधिकारियों की मौजूदगी

निरीक्षण के दौरान घोड़बंदर रोड, कपूरबावड़ी, कैसल मिल और वर्तकनगर सहित कई प्रमुख स्थानों के नालों की सफाई का जायजा लिया गया। इस मौके पर डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, स्थानीय जनप्रतिनिधि और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि सभी कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। नगर प्रशासन ने इस वर्ष 186 किलोमीटर नालों की सफाई का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सात अलग-अलग ठेकेदार नियुक्त किए गए हैं, जिससे काम की गति बढ़ी है।

एचआरआरएल रिफाइनरी में आग, स्थिति नियंत्रण में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की रिफाइनरी में 20 अप्रैल को क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) सेक्शन में आग लगने की घटना सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हीट एक्सचेंजर सर्किट में लगे वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन के रिसाव के कारण आग भड़की।

यूनिट सुरक्षित, कोई बड़ा नुकसान नहीं

कंपनी के अनुसार आग हीट एक्सचेंजर स्टैक तक सीमित रही और एहतियातन सीडीयू, वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू) सहित अन्य इकाइयों को तुरंत अलग कर दिया गया। सभी यूनिटें संरचनात्मक रूप से सुरक्षित हैं और रिफाइनरी के अन्य हिस्सों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है, जिससे बड़े औद्योगिक नुकसान की आशंका टल गई।

कोई हताहत नहीं, जांच शुरू

एचआरआरएल की आपातकालीन टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और संभावित वित्तीय व परिचालन प्रभाव का आकलन किया जा रहा है, जो प्रारंभिक तौर पर सीमित माना जा रहा है। साथ ही एचपीसीएल ने सुरक्षा मानकों और मजबूत आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

अटल सेतु कनेक्टर का काम तेज़, 143 नींव और 653 गर्डर्स का निर्माण पूरा

मुंबई-पुणे की दूरी अब मिनटों में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी योजना 'मुंबई 3.0' और 'मुंबई इन मिनट्स' के तहत अटल सेतु को सीधे मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले कनेक्टर का काम अब युद्ध स्तर पर है। मंगलवार को जारी ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, इस 7.35 किमी लंबे कॉरिडोर ने कई महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग माइलस्टोन पार कर लिए हैं। परियोजना के ढांचागत निर्माण में बड़ी सफलता मिली है। कुल 176 नींव (Foundations) में से 143 का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा, 141 पियर्स (खंभे) खड़े किए जा चुके हैं और 830 में से 653 प्रीकास्ट गर्डर्स का निर्माण पूरा कर लिया गया है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि प्रोजेक्ट की आधारभूत संरचना अब तैयार होने के करीब है।

7.35 किमी लंबा सिक्स लेन कॉरिडोर

यह पुल 7.35 किमी लंबा और छह लेन (11.5 मीटर चौड़ाई प्रति दिशा) वाला होगा। यह अटल सेतु (शिवड़ी–न्हावा शेवा) के अंतिम छोर चिरले से शुरू होकर पलस्पे के पास मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ेगा। इसके साथ ही पलस्पे क्षेत्र में स्लिप रोड्स और सर्विस रोड्स के चौड़ीकरण का काम भी समानांतर रूप से जारी है।

मुंबई 3.0 और आर्थिक विकास

यह कनेक्टर केवल एक सड़क नहीं, बल्कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (NMIA) और नवी मुंबई के नए विकास केंद्रों (NAINA) के लिए जीवन रेखा साबित होगा। इससे मुख्य मुंबई पर आबादी का दबाव कम होगा और औद्योगिक निवेश व रोजगार सृजन को नई ऊर्जा मिलेगी।

यात्रा समय में भारी कटौती

महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी के अनुसार, इस कनेक्टिविटी के बाद मुंबई और पुणे के बीच दैनिक यात्रा करने वाले छात्रों और नौकरीपेशा वर्ग को सिग्नल-फ्री सफर की सुविधा मिलेगी। घंटों का सफर मिनटों में सिमट जाएगा, जिससे 'मुंबई इन मिनट्स' की संकल्पना साकार होगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृष भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

मिथुन धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। संतान से कष्ट रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी।

कर्क वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें।

कन्या किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

तुला भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी।

वृश्चिक संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ौत्री होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

धनु समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें।

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कुंभ नए अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

मीन धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अत: उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

जब नारद की लीला से प्रकट हुई श्रीराम की चौथी भक्ति

प्रियंका जैन
97699 94439

भक्ति का मार्ग जितना सरल दिखाई देता है, उतना ही सूक्ष्म और गहरा भी होता है। जब प्रभु श्रीराम शबरी माता को भक्ति के नौ रूपों का उपदेश देते हैं, तब चौथी भक्ति के रूप में वे एक अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत बताते हैं—"मेरे गुणों का गान करो, परंतु कपट छोड़कर।" यह बात सुनने में साधारण लगती है, पर वास्तव में यह भक्ति के मूल को स्पर्श करती है। जब तक मन में अहंकार, स्वार्थ या दिखावा है, तब तक भक्ति केवल शब्द बनकर रह जाती है, हृदय की सच्चाई नहीं बन पाती।

इस सत्य को समझाने के लिए संतों ने देवर्षि नारद की एक अत्यंत गूढ़ और शिक्षाप्रद कथा का वर्णन किया है। नारद जी, जो स्वयं भगवान के परम भक्त माने जाते हैं, एक बार ऐसी स्थिति में आ गए जहाँ उनकी भक्ति में सूक्ष्म रूप से अहंकार का प्रवेश हो गया। यही कथा हमें यह सिखाती है कि भक्ति में सबसे बड़ा शत्रु बाहरी बाधाएँ नहीं, बल्कि भीतर का अहंकार और कपट है।

कथा के अनुसार, एक बार नारद जी ने कामदेव पर विजय प्राप्त कर ली। यह विजय वास्तव में भगवान की कृपा से ही संभव हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे नारद जी के मन में यह भाव आने लगा कि यह उनकी अपनी शक्ति का परिणाम है। यह विचार इतना प्रबल हो गया कि उन्होंने स्वयं को भगवान शंकर से भी श्रेष्ठ मानना शुरू कर दिया। यही वह क्षण था, जब उनकी भक्ति में कपट का बीज अंकुरित हुआ—बाहरी रूप से वे भगवान का गुणगान कर रहे थे, पर भीतर अहंकार का भाव पल रहा था।

नारद जी अपनी इस विजय की कथा सुनाने के लिए भगवान शिव के पास गए। शिव जी को लगा कि नारद जी भगवान की कथा सुनाएंगे, परंतु वहाँ उन्होंने अपने पराक्रम का वर्णन करना शुरू कर दिया। शिव जी ने समझाया कि इस प्रकार का अभिमान उचित नहीं है और उन्हें सावधान किया कि इस कथा को आगे न कहें, परंतु नारद जी उस समय अपने गर्व में इतने डूबे थे कि उन्होंने इस सलाह को अनसुना कर दिया। इसके बाद वे भगवान विष्णु के पास पहुँचे। वहाँ जाते समय वे वीणा बजाते हुए हरि गुण गा रहे थे, लेकिन उनके मन में एक सूक्ष्म कपट छिपा हुआ था। उनका ध्यान भगवान के गुणों पर कम और अपने मधुर स्वर तथा वीणा की श्रेष्ठता पर अधिक था। यही वह बिंदु है जहाँ "करहिं कपट तजि गान" का गूढ़ अर्थ सामने आता है। जब भक्ति में साधन—जैसे स्वर, संगीत या प्रदर्शन—मुख्य हो जाएँ और भगवान के गुण गौण हो जाएँ, तो वह भक्ति नहीं, कपट बन जाती है।

भगवान विष्णु, जो अंतर्यामी हैं, यह सब समझ गए। उन्होंने नारद जी के इस सूक्ष्म अहंकार को दूर करने के लिए एक लीला रची। उन्होंने नारद जी का सम्मान बढ़ाया, उन्हें अपने समान आसन दिया, और ऐसे शब्द कहे जिनसे उनका अभिमान और बढ़ गया। यह सब इसलिए किया गया ताकि उनके भीतर का अहंकार पूर्ण रूप से प्रकट हो जाए और फिर उसका नाश किया जा सके।

आगे चलकर भगवान ने अपनी माया से नारद जी को एक मोह में डाल दिया। एक राजकुमारी के स्वयंवर में, नारद जी को यह भ्रम हो गया कि यदि वे उससे विवाह कर लें, तो वे स्वयं भगवान के समान हो जाएंगे। उन्होंने भगवान से सुंदर रूप माँगा, परंतु भगवान ने उन्हें वानर का रूप दे दिया। जब स्वयंवर में उनका उपहास हुआ और अंततः भगवान स्वयं उस राजकुमारी से विवाह कर लेते हैं, तब नारद जी का भ्रम टूटता है।

अनुभवी श्रवण कुमार को JDU की कमान

- जदयू में बड़ा संगठनात्मक फैसला, विधानमंडल दल के नेता चुने गए
- पूर्व मुख्यमंत्री व मुखिया नीतीश कुमार ने प्रदान की मंजूरी

एजेंसी । पटना

बिहार की सत्ताधारी जनता दल (यूनाइटेड) ने संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार को विधानमंडल दल का नया नेता नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने अंतिम स्वीकृति प्रदान की है, जिसके बाद इसे औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया। पार्टी की हालिया बैठक में विधानमंडल दल के नेता के चयन का अधिकार नीतीश कुमार को सौंपा गया था। इसके बाद उन्होंने श्रवण कुमार के नाम पर सहमति देते हुए प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को भेजा। सचिवालय की ओर से अधिसूचना जारी कर उनकी नियुक्ति की पुष्टि कर दी गई। करीब 69 वर्षीय श्रवण कुमार का राजनीतिक जीवन तीन दशकों से अधिक का रहा है। उन्होंने वर्ष 1995 में समता पार्टी के टिकट पर नालंदा विधानसभा क्षेत्र से पहली बार चुनाव जीता था। इसके बाद वे लगातार सात बार विधायक चुने गए हैं, जो उनके जनाधार और संगठन में मजबूत पकड़ को दर्शाता है। वर्ष 1995 के विधानसभा चुनाव में समता पार्टी के केवल सात उम्मीदवार ही जीत दर्ज कर सके थे।

तीन दशक का अनुभव, सात बार विधायक

जिनमें श्रवण कुमार भी शामिल थे। यह उनके शुरुआती राजनीतिक संघर्ष और प्रभाव को दर्शाता है। जेपी आंदोलन से राजनीति में पदार्पण श्रवण कुमार ने छात्र जीवन में ही जेपी आंदोलन के दौरान सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 1994 में जब जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार ने समता पार्टी का गठन किया, तभी से वे उनके करीबी सहयोगी बने रहे।

जेपी आंदोलन से राजनीति में पदार्पण

श्रवण कुमार ने छात्र जीवन में ही जेपी आंदोलन के दौरान सक्रिय राजनीति में कदम रखा था। वर्ष 1994 में जब जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार ने समता पार्टी का गठन किया, तभी से वे उनके करीबी सहयोगी बने रहे। समता पार्टी के जदयू में विलय के बाद भी उन्होंने लगातार पार्टी के साथ रहते हुए कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वे बिहार विधानसभा में मुख्य सचेतक रह चुके हैं और राज्य सरकार में मंत्री पद भी संभाल चुके हैं। उन्होंने नीतीश कुमार के साथ-साथ जीतन राम मांझी की सरकार में भी मंत्री के रूप में कार्य किया। वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में उन्हें नालंदा सीट पर लगभग तीन हजार मतों के अंतर से जीत मिली थी, जो उनके राजनीतिक जीवन का एक कड़ा मुकाबला माना जाता है। हाल ही में उनकी सुरक्षा बढ़ाकर उच्च श्रेणी में कर दी गई है, जो उनकी बढ़ती राजनीतिक सक्रियता और महत्व को दर्शाता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, विधानमंडल दल के नेता के रूप में नियुक्ति श्रवण कुमार के लिए संगठन में नई जिम्मेदारी और प्रभाव का विस्तार है।

2015 का चुनाव रहा चुनौतीपूर्ण बढ़ी जिम्मेदारी

उनके लंबे अनुभव, नेतृत्व के साथ समन्वय और क्षेत्रीय पकड़ को देखते हुए यह निर्णय पार्टी को मजबूती देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। उसके बाद से उनके रिश्ते नीतीश कुमार से मजबूत बने हैं, तो बने ही हुए हैं। श्रवण कुमार नीतीश कुमार के सबसे करीबी और भरोसेमंद चेहरे में से एक माने जाते हैं। नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद से जेडीयू विधानमंडल दल के नेता का पद खाली हो गया है। विधान परिषद में भी एक पद खाली हो गया है। ऐसे में विधानमंडल दल के नेता के लिए कई नामों की चर्चा थी।

यूपी विधानसभा का विशेष सभ 30 अप्रैल से

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधान सभा का विशेष सत्र 30 अप्रैल से आयोजित किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट से प्रस्ताव पास कर राज्यपाल के पास भेजा था। उप्र विधान सभा सचिवालय की ओर से मंगलवार को दी गयी जानकारी में बताया गया कि प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सत्र आहूत करने के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। उप्र अठारहवीं विधान सभा का 2026 का द्वितीय सत्र 30 अप्रैल को विधान सभा मण्डप में पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की योगी सरकार ने राज्यपाल से विशेष सत्र आहूत किए जाने के लिए अनुरोध किया था। सरकार इस सत्र में महिलाओं से जुड़े विषय पर चर्चा करेगी। सरकार के प्रयासों को सदन के पटल पर लाएगी। साथ ही विपक्ष को कटघरे में खड़ा करेगी। सरकार विशेष रूप से महिला आरक्षण पर चर्चा करेगी।

IIT मुंबई से पढ़ना चाहते हैं बिहार के शुभम

- जेईई मेन-2026 में मिला 100 परसेंटाइल, देश में छठां स्थान
- बिहार में मिली पहली रैंक, मुख्यमंत्री सम्राट यादव ने दी बधाई

एजेंसी । पटना

इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन-2026 के परिणाम में बिहार के गया जिले के छात्र शुभम कुमार ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में पहला स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने छठा स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस सफलता पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें बधाई देते हुए इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि शुभम कुमार की सफलता उनके समर्पण, कठिन परिश्रम और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

26 अभ्यर्थियों को 100% अंक

उन्होंने इसे युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा जारी संयुक्त परिणाम के अनुसार, इस वर्ष जेईई मेन-2026 के दोनों चरणों को मिलाकर कुल 26 अभ्यर्थियों ने शत-प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इनमें कोई भी महिला अभ्यर्थी शामिल नहीं है। परीक्षा के आधार पर देशभर से कुल 2,50,182 अभ्यर्थियों को जेईई एडवांस के लिए पात्र घोषित किया गया है।

भीषण गर्मी का असर: सिर्फ पांच घंटे चलेंगी कक्षाएं

- परिषदीय स्कूलों का समय बदला, 12.30 बजे होगी छुट्टी

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ते तापमान और लू की आशंका के बीच स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने परिषदीय विद्यालयों के समय में बदलाव किया है। बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार अब सभी परिषद संचालित विद्यालयों में सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कक्षाएं संचालित होंगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में चल रहा सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक का समय संशोधित कर 5 घंटे की पाली कर दिया गया है। नए समय के तहत प्रार्थना सभा और योगाभ्यास सुबह 7:30 से 7:40 बजे तक आयोजित होंगे।

शिक्षकों की उपस्थिति अवधि निर्धारित

निर्देशों के अनुसार, विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इस अतिरिक्त एक घंटे में वे शैक्षणिक, प्रशासनिक और अन्य आवश्यक कार्यों का निष्पादन करेंगे। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, वाराणसी सहित प्रदेश के कई जिलों में स्थानीय स्तर पर भीषण गर्मी को देखते हुए पहले ही विद्यालयों के समय में परिवर्तन कर दिया गया था। अब राज्य स्तर से एकरूपता लाते हुए यह आदेश पूरे प्रदेश में लागू किया गया है। मदरसों के समय में भी संशोधन इसी क्रम में उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने भी मदरसों के समय में बदलाव किया है।

एक पुलिया के लिए NH-130 पर बैठे ग्रामीण

एजेंसी । गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड स्थित अमाड़ पंचायत में आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) की कमी को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। पुलिया निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे-130 पर चक्काजाम कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और स्कूली बच्चे शामिल हैं।

15 दिन पहले दी थी प्रदर्शन की सूचना

आंकड़ों के अनुसार, इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं और आसपास के कई गांव इसी सड़क से जुड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि 30 मार्च को वे अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंच चुके हैं।

स्कूली बच्चे भी प्रदर्शन में शामिल

जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। ग्रामीणों के अनुसार, इस मार्ग से जुड़े कई आश्रित गांवों की दैनिक आवाजाही इसी रास्ते पर निर्भर है। जबकि करीब 15 दिन पहले ही अनिश्चितकालीन आंदोलन की लिखित सूचना प्रशासन को दे दी गई थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया। प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं व महिलाएं तख्तियां लेकर बैठी हैं और तत्काल पुलिया निर्माण या कम से कम अस्थायी रूप से मार्ग को आवागमन योग्य बनाने की मांग कर रही हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। ऐसे में आगामी मानसून के दौरान स्थिति और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है।

आन ड्यूटी सेना के जवान ने खुद को गोली से उड़ाया

एजेंसी । झांसी

उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के बबीना थाना क्षेत्र स्थित सैन्य परिसर में ड्यूटी पर तैनात एक जवान द्वारा खुद को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार शाम की है, जिसमें 49 वर्षीय जवान की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी कोमल सिंह रक्षा सुरक्षा कोर में तैनात थे और इन दिनों उनकी ड्यूटी बबीना सैन्य इकाई में लगी थी। सोमवार को वह नियमित ड्यूटी के दौरान अपने निर्धारित स्थल पर मौजूद थे। घटना के समय आसपास मौजूद अन्य सैन्यकर्मियों ने गोली की आवाज सुनते ही मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बबीना थाना प्रभारी विनय साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

मई में होंगे निकाय चुनाव 17 को मतदान

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। राज्य चुनाव आयुक्त अनिल खाची ने बताया कि प्रदेश के 51 शहरी निकायों में 17 मई को मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित समय में संपन्न होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नगर परिषद और नगर के दिन ली जाएगी।

विपक्ष में बैठने की तैयारी कर रही भाजपा: अखिलेश

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "भाजपा अभी से विपक्ष में बैठने की रही है।"

भाजपा की पदयात्रा को लेकर तंज

प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा द्वारा निकाली गई पदयात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के बीच यह कार्यक्रम विपक्षी भूमिका के अभ्यास जैसा प्रतीत होता है। उन्होंने इसे आगामी राजनीतिक परिदृश्य का संकेत बताते हुए कहा कि 2027 में सत्ता परिवर्तन की संभावना है।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में दमदार वापसी

- FMCG सेक्टर ने दिखाई मजबूती
- सेंसेक्स 753 अंक उछला, निफ्टी 24,576 पर बंद

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों और घरेलू स्तर पर खरीदारी बढ़ने से भारतीय शेयर बाजारों ने मंगलवार को मजबूत बढ़त दर्ज की। कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 753.03 अंक यानी 0.96 प्रतिशत उछलकर 79,273.33 पर बंद हुआ।

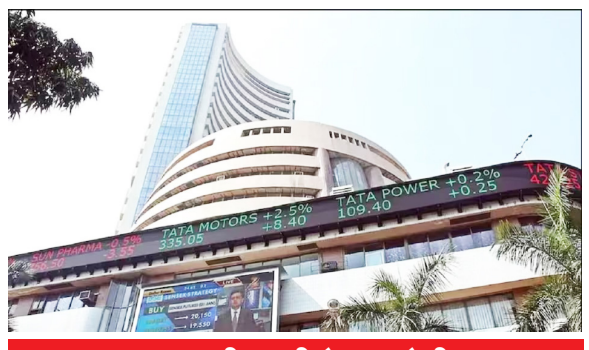

शुरुआती सुस्ती के बाद तेजी

कारोबार की शुरुआत अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन दिन चढ़ने के साथ बाजार में खरीदारी का रुख मजबूत हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से कई प्रमुख शेयरों में तेजी देखने को मिली, जिससे सूचकांक ऊपरी स्तरों पर टिके रहे। आज की तेजी में ट्रेंट लिमिटेड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक प्रमुख बढ़त वाले शेयर रहे।

एशियाई बाजारों का रुख

जबकि निफ्टी 50 211.75 अंक या 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,576.60 के स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक संकेत भी सकारात्मक रहे। जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया सहित प्रमुख एशियाई बाजार बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे घरेलू बाजार की धारणा को मजबूती मिली। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा काफी हद तक पश्चिम एशिया के घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। किसी भी नकारात्मक वैश्विक संकेत से बाजार में फिर से उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

कच्चे तेल में रही नरमी

वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन कंपनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी में गिरावट दर्ज की गई। एफएमसीजी सूचकांक में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिसने बाजार को सबसे ज्यादा सहारा दिया। रियल्टी क्षेत्र में 2.11 प्रतिशत की मजबूत बढ़त रही। सूचना प्रौद्योगिकी सूचकांक 0.53 प्रतिशत और वाहन क्षेत्र 0.36 प्रतिशत चढ़ा। इसके विपरीत, धातु और औषधि क्षेत्र के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम में हल्की गिरावट देखी गई। ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत गिरकर लगभग 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता रहा।

नेस्ले इंडिया: प्रति शेयर मिलेगा पांच रुपये का लाभांश

एजेंसी । नई दिल्ली

उपभोक्ता उत्पाद क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी ने इस अवधि में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है, जिसमें मुनाफा, राजस्व और घरेलू बिक्री तीनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। बेहतर परिणामों के बाद कंपनी के शेयर में दिन के अंत तक करीब 6 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 5 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की घोषणा की है।

1,110.9 करोड़ रुपये मुनाफा

कंपनी के अनुसार, चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 27.18 प्रतिशत बढ़कर 1,110.9 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 873.46 करोड़ रुपये था। इसी अवधि में उत्पादों की बिक्री से प्राप्त राजस्व 23.42 प्रतिशत बढ़कर 6,723.75 करोड़ रुपये हो गया। आय और परिचालन प्रदर्शन जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 6,747.79 करोड़ रुपये रही।

आय और परिचालन प्रदर्शन

जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 6,747.79 करोड़ रुपये रही, जो एक वर्ष पहले 5,503.88 करोड़ रुपये थी। (अन्य आय सहित) 22.73 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,766.24 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

US टैरिफ नीति: 166 अरब डॉलर लौटाने की तैयारी

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिकी न्यायिक फैसले के बाद वैश्विक व्यापार पर असर डालने वाला बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ नीति को चुनौती मिलने के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों की वापसी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुल मिलाकर लगभग 166 अरब डॉलर (करीब 15 लाख करोड़ रुपये) की राशि रिफंड की जा रही है। बल्कि अमेरिकी आयातकों के साथ व्यावसायिक समझौतों पर निर्भर करेगा।

शुल्क जमा करने वाले ही करेंगे दावा

रिफंड के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 अप्रैल से अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी के डिजिटल मंच "केप" (प्रविष्टियों के समेकित प्रशासन और प्रसंस्करण प्रणाली) के माध्यम से शुरू की गई है। यह कदम 20 फरवरी 2026 को आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद उठाया गया, जिसमें ट्रंप कार्यकाल के दौरान लगाए गए टैरिफ को निरस्त कर दिया गया था। नियमों के अनुसार, केवल वही अमेरिकी आयातक रिफंड का दावा कर सकते हैं जिन्होंने पहले यह शुल्क जमा किया था। इस वजह से भारतीय निर्यातकों के पास सीधे दावा करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिफंड प्रक्रिया 60 से 90 दिनों के भीतर पूरी होने की संभावना है और इसमें ब्याज भी शामिल किया जाएगा।

10 लाख टन चना खरीदेगी सरकार

- कमजोर मानसून की आशंका के बीच उठाया कदम

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में संभावित कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने दालों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों को स्थिर रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार करीब 10 लाख टन चना खरीदकर बफर स्टॉक तैयार करने की योजना पर काम कर रही है, ताकि आपूर्ति में कमी की स्थिति से निपटा जा सके। वहीं दूसरी ओर खुदरा बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना भी है।

मानसून सामान्य से 8% कम

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से लगभग 8 प्रतिशत कम रह सकता है। साथ ही अल नीनो की स्थिति बनने की संभावना जताई गई है, जो आमतौर पर वर्षा में कमी और सूखे के जोखिम को बढ़ाती है। इससे दलहन जैसी वर्षा-आधारित फसलों की पैदावार प्रभावित हो सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, चना की खरीद मूल्य समर्थन तंत्र के तहत की जाएगी।

मूल्य स्थिरीकरण के लिए खरीद

जिसमें एजेंसियां सीधे किसानों से खरीद करेंगी। इसका उद्देश्य एक ओर किसानों को उचित मूल्य देना है, वहीं दूसरी ओर खुदरा बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करना भी है। वित्त वर्ष 2026 में देश में चना उत्पादन 6.2 प्रतिशत बढ़कर 11.8 मिलियन टन तक पहुंचा है, जबकि प्रति हेक्टेयर उपज 1.6 प्रतिशत बढ़कर 1,238 किलोग्राम रही। आयात शुल्क बढ़ने से घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन मिला है, लेकिन मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए सरकार अतिरिक्त भंडारण की रणनीति अपना रही है।

दूसरे कारोबारी दिन फिसला सोना चांदी स्थिर

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी के भाव स्थिर बने रहे। कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना देशभर में लगभग 1,55,280 रुपये से 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहा। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये से 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार करता देखा गया दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया।

जीत की राह पर लौटना चाहेगा राजस्थान

- लखनऊ की टीम हार के चौके से बचना चाहेगी
- कप्तान पंत को खेलनी होगी बड़ी पारी
- रॉयल्स का दारोमदार युवा ओपनर यशस्वी और सूर्यवंशी पर

एजेंसी। लखनऊ

लखनऊ के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम अपनी खोई हुई लय वापस पाने के इरादे से उतरेगी। शानदार शुरुआत करते हुए लगातार चार जीत दर्ज करने वाली राजस्थान की टीम पिछले दो मुकाबलों में हार का सामना कर चुकी है। बुधवार को होने वाले इस मैच में टीम का मुख्य लक्ष्य हार के सिलसिले को तोड़ना और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना होगा।

ऋषभ पंत और लखनऊ की मुश्किलें

दूसरी ओर, मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली यह टीम पिछले तीन मैचों से लगातार हार झेल रही है। टीम के लिए यह मुकाबला न केवल वापसी का जरिया है, बल्कि खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को फिर से जगाने का एक बड़ा अवसर भी है। दोनों ही टीमें इस मैच को 'करो या मरो' की स्थिति के रूप में देख रही हैं।

बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी

राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी समस्या उनके बल्लेबाजी क्रम में निरंतरता का अभाव होना है। टीम पूरी तरह से अपने शीर्ष क्रम पर निर्भर नजर आ रही है। हैदराबाद के खिलाफ मैच में टीम का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया था, जहां पांच में से तीन बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। यदि राजस्थान को बड़ा स्कोर खड़ा करना है, तो उनके बल्लेबाजों को पिच पर समय बिताना होगा। प्रिंस यादव को छोड़कर आवेश खान, मोहम्मद शमी और मणिकरण सिद्धार्थ अपनी लाइन-लेंथ पर नियंत्रण नहीं रख पाए थे, जिसका फायदा विपक्षी टीम ने जमकर उठाया।

गेंदबाजी और खराब फील्डिंग

राजस्थान की गेंदबाजी इकाई फिलहाल मजबूत नजर आ रही है। जोफ्रा आर्चर की गति और रवि बिश्नोई की फिरकी विपक्षी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। हालांकि, टीम के लिए फील्डिंग एक बड़ी चिंता का विषय है। पिछले मैच में महत्वपूर्ण कैच छोड़ना टीम को भारी पड़ा था, जिसे सुधारना जीत के लिए अनिवार्य है। लखनऊ के गेंदबाजों के लिए राजस्थान के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना एक बड़ी चुनौती होगी। पिछले मैच में पंजाब के खिलाफ लखनऊ के गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए थे।

अंतिम एकादश और फॉर्म की समस्या

लखनऊ के लिए उनकी बल्लेबाजी भी सिरदर्द बनी हुई है। टीम अब तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश तय नहीं कर पाई है। कप्तान ऋषभ पंत और निकोलस पूरन की खराब फॉर्म ने टीम की मुश्किलों को दोगुना कर दिया है।

सलामी जोड़ी से बड़ी उम्मीदें

यशस्वी जायसवाल और सूर्यवंशी ने इस सत्र में टीम को कई बार अच्छी शुरुआत दिलाई है, लेकिन वे इसे बड़ी पारी में तब्दील करने में असफल रहे हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि ये दोनों पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाएंगे और एक मजबूत नींव रखेंगे। इसके साथ ही कप्तान रियान पराग और ध्रुव जुरेल को भी मध्यक्रम में जिम्मेदारी लेते हुए टीम को संभालना होगा। लखनऊ की रणनीति राजस्थान के मध्यक्रम को निशाना बनाने की होगी। हेटमायर, फरेरा और पराग फिलहाल वैसी फॉर्म में नहीं हैं जैसी उनसे उम्मीद की जाती है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 6
राजस्थान जीता	: 4
लखनऊ जीता	: 2

नंबर गेम

01 मैच इकाना स्टेडियम में दोनों ने 2023 में खेला था जिसमें राजस्थान ने लखनऊ को सात विकेट से धोया था

02 रन से हराया था लखनऊ ने राजस्थान की टीम को पिछले साल खेले गए एकमात्र मुकाबले में

हॉकी इंडिया के महासचिव अवमानना के दोषी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने पर अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह 4 मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे। हालांकि साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता भी दी।

उपाध्यक्ष की याचिका

अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर सोमवार को फैसला सुनाया। उन्होंने हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। उन्होंने हॉकी इंडिया के महासचिव को पद से हटाने के लिए याचिका दायर की थी जिस पर यह आदेश पारित किया गया था।अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन 4 जुलाई, 2025 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया।

माफी नहीं मांगी

अदालत ने फैसले में कहा, अवमानना दूर करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। बिना शर्त माफी तो दूर की बात है, माफी का एक शब्द भी नहीं बोला गया। वैसे भी बिना शर्त माफी भी प्रतिवादियों, विशेष रूप से भोलानाथ सिंह को, अदालत के निर्देशों की जानबूझकर, सुनियोजित और स्वेच्छा से की गई अवहेलना से गंगा के पवित्र जल की तरह शुद्ध नहीं कर सकती।अदालत ने माना कि हॉकी इंडिया और सिंह ने कार्यवाही के दौरान जैसा व्यवहार किया, वह अदालत की अवमानना का स्पष्ट मामला है। फैसले में कहा गया है, यह अदालत प्रतिवादियों, विशेष रूप से हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को 17 जनवरी, 2025 के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन करने/पालन न करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी पाती है।"

न्यूज़ ब्रीफ

आखिरकार मुंबई इंडियंस की टीम के साथ जुड़े विल जैक्स

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था। अब हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम 23 अप्रैल को चेन्नई सुपरकिंग्स से भिड़ने के लिए तैयार है। इस अहम मैच से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स इस मैच के लिए उपलब्ध रहने वाले हैं। जैक्स लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भारत का गए हैं। वह आईपीएल 2026 के लिए मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा थे, लेकिन अब तक किसी भी मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। दरअसल, वह मुंबई इंडियंस दल से नहीं जुड़ पाए थे और रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपने परिवार के साथ समय बिता रहे थे। बता दें कि जैक्स आखिरी बार टी-20 विश्व कप 2026 में खेलते हुए नजर आए थे। अपने IPL करियर में जैक्स ने 21 मैचों की 19 पारियों में 27.23 की औसत और 152.80 की स्ट्राइक रेट के साथ 463 रन बनाए हैं। वह पिछले सीजन में भी MI से ही खेले थे। इसके अलावा वह RCB से खेल चुके हैं। जैक्स टी-20 विश्व कप 2026 में 4 मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। बल्लेबाजी में उन्होंने 8 पारियों में 56.50 की औसत और 176.56 की स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए थे। गेंदबाजी में इस ऑलराउंडर ने 21.66 की औसत से 9 विकेट लिए थे।

अल्कराज और सबालेंका को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

- दिग्गज गोल्फर रॉरी मैक्लरॉय बने 'वर्ष में शानदार वापसी' करने वाले खिलाड़ी
- नादिया कोमानेसी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार

लॉरियस पुरस्कार

एजेंसी। मैड्रिड

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका ने अपनी उपलब्धियों के खजाने में एक और मोती शामिल कर लिया है। दोनों ने खेल जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में शुमार लॉरियस पुरस्कार में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया है।स्पेन की राजधानी में सोमवार रात पुरस्कार समारोह में इनके अलावा दुनिया के कुछ अन्य प्रमुख खिलाड़ियों ने इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यहां लगातार दूसरे साल हुए कार्यक्रम की मेजबानी दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और फ्रीस्टाइल स्कीयर एलीन गु ने की।अल्काराज ने पिछले साल फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन

के अलावा इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीता था। अल्काराज ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानिक सिनेर और 2025 में अपना चौथा टूर डी फ्रांस खिताब विजेता साइकिलिस्ट तादेज पोगाकर को पछाड़ लॉरियस पुरस्कार जीता।विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी सबालेंका ने पिछले साल लगातार दूसरी बार यूएस ओपन खिताब हासिल किया था। इस महीने मास्टर्स खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले दिग्गज गोल्फर रॉरी मैक्लरॉय को 'वर्ष में शानदार वापसी' करने वाले खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित किया गया। उसने इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम और भारतीय महिला क्रिकेट टीम जैसे प्रतिद्वंद्वियों को हराया। पीएसजी 2025 में पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियंस लीग का खिताब जीतने में सफल रहा था। बार्सिलोना और स्पेन के स्टार फुटबॉलर 18 वर्षीय लामिन यामल ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार जीता।

आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बाहर

एजेंसी। नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज 18 वर्षीय आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे।सीएसके ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें छह से 12 सप्ताह तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरना पड़ेगा। वह सनराइजर्स के खिलाफ इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरे थे लेकिन काफी असहज महसूस कर रहे थे। उन्हें मैदान पर ही उपचार दिया गया।

शेफाली दो पायदान चढ़ीं, स्मृति एक स्थान खिसकीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैच की टी-20 सीरीज में अर्धशतक की बदौलत आईसीसी की महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर छठे पायदान पर पहुंच गई हैं। हालांकि स्मृति मंधाना अब तक दोनों मैच में निराशाजनक प्रदर्शन से एक स्थान नीचे हो गई हैं।शेफाली ने दूसरे मैच में 57 रन जबकि पहले मैच में 34 रन बनाए थे। भारत की उप कप्तान मंधाना ने इन मुकाबलों में 13 और 12 रन बनाए। तीसरे स्थान पर अब वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में शामिल होने के करीब हैं। वह फिलहाल 11वें स्थान पर हैं।गेंदबाजी रैंकिंग में भारत की प्रमुख गेंदबाज दीप्ति शर्मा दो स्थान नीचे पांचवें पर जबकि रेणुका सिंह चार स्थान नीचे नौवें स्थान पर हैं। अरुंधति भी तीन स्थान नीचे 12वें स्थान पर खिसककर शीर्ष 10 से बाहर हो गई हैं।

बॉलीवुड

फिल्म 'है जवानी तो इश्क' के टीजर पर डेविड धवन ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता वरुण धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म के जरिए निर्देशक डेविड धवन छह साल बाद निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसमें दो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी थी। टीजर के इस हिस्से को लेकर इंटरनेट पर मिली तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद अब डेविड धवन ने पहली बार इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। डेविड धवन ने साफ किया कि फिल्म में किसी तरह का एआई इस्तेमाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि टीजर को केवल अलग और रोचक बनाने के लिए ऐसा प्रयोग किया गया था। उनके मुताबिक, फिल्म में एआई जैसा कुछ भी नहीं है। यह सिर्फ टीजर का हिस्सा था ताकि दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले। असली कहानी इससे बिल्कुल अलग है और जब गाने सामने आएंगे तो लोगों को फिल्म का असली रंग समझ में आएगा। डेविड के इस बयान के बाद साफ हो गया है कि टीजर में दिखाई गई झलक फिल्म की कहानी का हिस्सा नहीं है। फिल्म में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। इसके अलावा मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय और चंकी पांडे भी अहम किरदार निभा रहे हैं। डेविड और वरुण की यह चौथी फिल्म होगी और इसे 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का मुकाबला उसी दिन रिलीज हो रही अनन्या पांडे की फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा।

विक्रम प्रभु अब सिद्धार्थ और राहुल संग बनाएंगे फिल्म

विक्रम प्रभु ने अपनी फिल्म 'सिरई' के बाद अपने अगले प्रोजेक्ट का खुलासा कर दिया है। इस बार उन्होंने पहली बार निर्देशन कर रहे सिद्धार्थ और निर्माता राहुल के साथ काम करने का फैसला किया है। फिल्म के लिए अभी कलाकारों और तकनीशियनों की टीम तैयार की जा रही है, लेकिन जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। विक्रम प्रभु की फिल्म की लगातार होगी शूटिंग पूरी फिल्म को लगातार एक ही शेड्यूल में शूट करने की योजना बनाई गई है, जिससे फिल्म का पूरा माहौल शुरुआत से अंत तक एक जैसा बना रहे। दर्शकों को अब यह जानने की उत्सुकता है कि पहली बार निर्देशन कर रहे सिद्धार्थ अपनी फिल्म में क्या कुछ नया लेकर आते हैं। विक्रम प्रभु के लिए यह एक रोमांचक मोड़ है, क्योंकि वे हमेशा से ही अनोखी और दमदार कहानियों को चुनने के लिए मशहूर हैं।

'आवारापन 2' को मिली नई रिलीज तारीख

अभिनेता इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन 2' की नई रिलीज तारीख सामने आ गई है। साल 2007 में आई 'आवारापन' की सफलता के बाद इसके सीक्वल का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जिन्हें 'नोटबुक' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। पहले यह फिल्म अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी नई तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। विशेष फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि 'आवारापन 2' अब 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ लिखा गया, ₹इस स्वतंत्रता दिवस वीकेंड खुद को फ्री रखें और 14 अगस्त 2026 को 'आवारापन 2' के साथ जुड़ें।₹ दिलचस्प बात यह है कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सनी देओल की फिल्म 'लाहौर 1947' से टक्कर मिलेगी, जो एक दिन पहले 13 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस सीक्वल में इमरान एक बार फिर अपने चर्चित किरदार शिवम पंडित के रूप में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि फिल्म को लेकर पिछले छह साल से चर्चा चल रही थी, क्योंकि पहली फिल्म का अंत शिवम की मौत के साथ हुआ था। इमरान के मुताबिक 2022 में उनकी टीम ने कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक नया विचार तैयार किया, जिसके बाद फिल्म पर काम शुरू हुआ।

'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज तारीख का ऐलान

निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्मों का दर्शकों को हमेशा इंतजार रहता है और अब उनकी अगली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। राजश्री प्रोडक्शन ने आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया है कि यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से बन रही इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं

में नजर आएंगे। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट साझा की। बताया जा रहा है कि रिलीज के लिए ऐसी तारीख चुनी गई है, जिसके आसपास किसी दूसरी बड़ी फिल्म की टक्कर नहीं है। दिवाली 2026 पर रिलीज होने वाली 'रामायणः भाग 1' के बाद नवंबर के अंत तक बड़े बैनर की कोई और फिल्म तय नहीं होने से आयुष्मान की इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर फायदा मिल सकता है। पारिवारिक और भावनात्मक कहानियों के लिए मशहूर सूरज बड़जात्या इस फिल्म के जरिए एक बार फिर उसी शैली में वापसी कर रहे हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। आयुष्मान और शरवरी की नई जोड़ी भी चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

'राजा शिवाजी' से रितेश देशमुख के बेटे ने अभिनय में रखा कदम

अभिनेता और निर्देशक रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर जारी होते ही चर्चा में आ गया है। 20 अप्रैल को सामने आए इस ट्रेलर में रितेश छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म में मराठा साम्राज्य के शौर्य, संघर्ष और स्वराज्य की भावना को भव्य अंदाज में पर्दे पर उतारने की कोशिश की गई है। हालांकि ट्रेलर की सबसे खास बात यह रही कि इस फिल्म के जरिए रितेश और जेनेलिया डिसूजा के बेटे राहिल देशमुख ने भी अभिनय की दुनिया में पहला कदम रखा है। ट्रेलर की शुरुआत युवा शिवाजी महाराज के रूप में राहिल देशमुख की झलक से होती है। दस वर्षीय राहिल ने बाल शिवाजी की भूमिका निभाई है और अपने छोटे से दृश्य में मासूमियत के साथ प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह देशमुख परिवार के लिए एक भावुक और खास पल माना जा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस राहिल की स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और इसे परिवार के लिए बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। फिल्म में रितेश और जेनेलिया के अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, भाग्यश्री और फरदीन खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर लॉन्च के दौरान रितेश ने यह भी पुष्टि की कि सलमान खान फिल्म में एक खास कैमियो करते दिखाई देंगे। करीब 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और दर्शकों को एक भव्य ऐतिहासिक अनुभव देने का वादा कर रही है।

सरकारनामा

सब कुछ पॉलिटिकल

DBD दो बजे दोपहर 8

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई | बुधवार 22 अप्रैल 2026

पश्चिम बंगाल-तमिलनाडु में थमा चुनाव प्रचार

23 अप्रैल को मतदान सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी । चेन्नई/कोलकाता

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से 48 घंटे पहले मंगलवार शाम को चुनाव प्रचार थम गया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है, जबकि तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए मतदान होने हैं। इसको लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। चुनाव प्रचार थमने से पहले दोनों राज्यों में शीर्ष नेताओं और उम्मीदवारों ने समर्थकों को आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं, चुनाव प्रचार थमने के बाद अब कोई भी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा या रैली नहीं कर सकेगा।

बंगाल के 21 जिलों में मतदान

पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की तो यहां इस बार दो चरणों में चुनाव संपन्न कराया जाना है। पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 मतदाता उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इन मतदाताओं में एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिलाएं अपने मत का इस्तेमाल करेंगी। आरक्षण को लेकर बने माहौल के बीच इस बार पश्चिम बंगाल में महिलाओं की भूमिका काफी अहम मानी जा रही है। बंगाल में पहले चरण में जहां मतदान होने हैं, उनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन व जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं।इनमें मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की 9, जलपाईगुड़ी की 7, अलीपुरद्वार की 5, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की 5, उत्तर दिनाजपुर की 9, दक्षिण दिनाजपुर की 6, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्द्धमान की 9, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झारग्राम की 4, पुरुलिया की 9 और बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं।

पहले चरण में सात संवेदनशील जिले

कुल 152 सीटों पर मतदान होगा। यह सीटें राज्य के 16 जिलों में फैली हुई हैं। मतदान से पहले इन जिलों को लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इसके तहत राज्य में 16 जिलों में से 7 जिलों को सुरक्षा की दृष्टि से सबसे संवेदनशील माना गया है। इनमें मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, कूच बिहार, बीरभूम, पश्चिम मिदनापुर और पश्चिम बर्दवान शामिल हैं। इन जिलों में पिछले 15 वर्षों के चुनावी हिंसा के रिकॉर्ड और संवेदनशील बूथों के आधार पर निगरानी बढ़ा दी गई है। हालात के गंभीरता को देखते हुए चुनाव आयोग ने इन क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी तैनाती का आदेश दिया है।

मुर्शिदाबाद में सुरक्षा CAPF के हवाले

बता दें कि सबसे ज्यादा 219 QRT मुर्शिदाबाद में तैनात किए गए हैं, जिसे पिछले कई चुनावों में हिंसा प्रभावित जिला माना जाता रहा है। यहां केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) के जवानों को जिम्मेदारी दी गई है मतदान केंद्रों पर सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए दो स्तर की जांच व्यवस्था लागू की गई है।

तमिलनाडु में 4,023 उम्मीदवार मैदान में

तमिलनाडु की बात करें तो राज्य में सभी सीटों पर एक चरण में ही चुनाव संपन्न कराया जाना है। 23 अप्रैल को ही सभी तमिलनाडु होना है। तमिलनाडु में इस बार 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में कुल 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का इस्तेमाल कर उम्मीदवारों की किस्मत लिखेंगे। इस बार चुनाव में सबकी निगाहें अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके पर टिकी हैं, क्योंकि कई सीटों पर उनको लोगों का काफी समर्थन मिल रहा है, इसलिए चुनाव में उनकी भूमिका काफी अहम हो सकती है।

1200 करोड़ की सामग्री जब्त

पूरे राज्य में भारी मात्रा में कैश, सोना, नशीले पदार्थ, शराब और दूसरी प्रलोभन वाली चीजें जब्त की गई हैं। जांच और छापेमारी के दौरान अब तक 1200 करोड़ रुपये की जब्ती हुई है। चुनाव निगरानी टीमों द्वारा सीधे तौर पर जब्त की गई 500 करोड़ से ज्यादा की नकदी और कीमती चीजें शामिल हैं। आयकर विभाग और अप्रत्यक्ष कर अधिकारियों जैसी प्रवर्तन एजेंसियों ने स्वतंत्र अभियानों के जरिए इस कुल राशि में काफी योगदान दिया है।

234 विधानसभा क्षेत्रों में 105 अति संवेदनशील

अधिकारियों ने बताया कि पूरे राज्य में 95 प्रतिशत से ज्यादा मतदाता सूचना पर्चियां पहले ही बांटी जा चुकी हैं। कुछ क्षेत्रों में पहचानी गई कमियों को दूर करने के प्रयास जारी हैं। मतदान के दिन से पहले लगभग पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

बंगाल में फिर बनेगी टीएमसी सरकार : सीएम ममता

एजेंसी । कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में कोई भी भाजपा की सरकार नहीं चाहता है।

ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों से की अपील

ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र से भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत नहीं होगी। टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2026 में भाजपा को दिल्ली की सत्ता से भी बाहर कर देंगे।

नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

इस दौरान ममता बनर्जी ने नेता प्रतिपक्ष सुभेंदु अधिकारी का नाम लिए बिना उन पर तीखे तंज कसे। उन्होंने कहा कि आपके भीतर बहुत अहंकार है। आपका तो पूरा परिवार ही चुनाव लड़ रहा है। ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी का बचाव करते हुए कहा कि आप रोज अभिषेक को बुरा-भला कहते हैं। आप उनसे मुकाबला नहीं कर सकते और मुझसे लड़ना चाहते हैं? मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में अभिषेक बनर्जी ही मिदनापुर की देखरेख करेंगे।

डीएमके को हराना मुश्किल, स्टालिन होंगे सीएम : केजरीवाल

चेन्नई। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने तमिलनाडु में डीमके के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर निशाना साधा। आप नेता ने कहा कि कि तमिलनाडु के लोग भाजपा और उसकी विभाजनकारी व कटु राजनीति से नफरत करते हैं, यही वजह है कि पार्टी लंबे समय तक राज्य में अपनी मजबूत पहचान नहीं बना सकी। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा को 27 सीटें मिली हैं और वह AIADMK के साथ गठबंधन में है, लेकिन सभी जानते हैं कि एआईएडीएमके पूरी तरह भाजपा के प्रभाव में है। केजरीवाल ने दावा किया कि अगर एनडीए को एक भी सीट मिलती है, तो भाजपा बिहार की तरह अपना मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश करेगी।

स्टालिन से तमिलनाडु को बचाएं: विजय

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने चेन्नई में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। विजय ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी डीएमके और भाजपा के बीच पर्दे के पीछे गुप्त समझौता हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इस चुनाव में डीएमके की हार पक्की है। विजय ने कहा कि वह जो कहते हैं, उस पर कायम रहते हैं।

नंदीग्राम में चुनाव आयोग ने पुलिस पर्यवेक्षक बदला

नंदीग्राम। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट के पुलिस पर्यवेक्षक को बदल दिया है। यह कार्रवाई मतदान से ठीक दो दिन पहले की गई है। तृणमूल कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद यह निर्णय लिया गया। हितेश चौधरी को हटाकर अखिलेश सिंह को नया पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को पुलिस पर्यवेक्षक को पत्र लिखकर भाजपा सदस्यों के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाया था। पार्टी ने पुलिस पर्यवेक्षक से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी। शिकायत मिलने के तुरंत बाद पर्यवेक्षक बदलने का आदेश जारी किया गया। इससे पहले मालदा और जंगीपुर में भी पर्यवेक्षक बदले जा चुके हैं।

ब्रीफ खबर

कांग्रेस का पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि पीएम ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। यह नियमों के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने लिखा कि पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए। उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की। कांग्रेस सांसद ने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए।

क्लिनिकल ट्रायल में गरीबों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक एनजीओ को निर्देश दिया कि वह 2024 के क्लीनिकल ट्रायल नियमों में मौजूद कथित कमियों का पूरा ब्यौरा पेश करे। ये नियम देश में वैक्सीन और नई दवाओं के क्लीनिकल ट्रायल की मंजूरी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बनाए गए थे। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। यह मामला एनजीओ 'स्वास्थ्य अधिकार मंच' ने साल 2012 में एक जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से उठाया था। याचिका में आरोप लगाया गया है कि बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियां पूरे देश में बड़े पैमाने पर क्लीनिकल ट्रायल कर रही हैं। याचिका के अनुसार, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने की वजह से गरीब नागरिकों का इस्तेमाल गिनी पिग (प्रयोग के लिए इस्तेमाल होने वाले जीव) की तरह किया जा रहा है।

पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट

12 लोगों की मौत कई लोग झुलसे

पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी । त्रिशूर

केरल के त्रिशूर जिले के मुंडथिक्कोडु इलाके में मंगलवार को एक पटाखा निर्माण यूनिट में भीषण विस्फोट गया। इस विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव त्रिशूर पूरम की तैयारियां चल रही थीं। इस घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है।

इलाकों में दहशत का माहौल

विस्फोट के बाद आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है और कुछ समय के लिए जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन अब पटाखा निर्माण और भंडारण से जुड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने की तैयारी में है, क्योंकि त्रिशूर पूरम के दौरान बड़े पैमाने पर आतिशबाजी होती है, जिसके लिए सख्त निगरानी और नियमों का पालन जरूरी होता है।

हादसे के वक्त करीब 40 लोग कर रहे थे काम

घटनास्थल पर पहुंचे राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के समय यूनिट में करीब 40 लोग काम कर रहे थे, क्योंकि आयोजकों द्वारा कर्मचारियों के लिए दोपहर का भोजन लाया गया था। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि सात लोग वहां से भागने में सफल रहे।बताया जा रहा है कि यह विस्फोट उस पटाखा इकाई में हुआ, जहां त्रिशूर पूरम के थिरुवंबाडी गुट के लिए आतिशबाजी के सैंपल तैयार किए जा रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी, जिसमें आग लगने के बाद जोरदार धमाका हुआ। प्रारंभिक जानकारी में लगभग 40 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, जिनमें से कम से कम आठ की हालत गंभीर बताई गई थी। घटना के तुरंत बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और प्रशासन ने त्रिशूर मेडिकल कॉलेज सहित आसपास के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके।

कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई धमाके की आवाज

विस्फोट के बाद इलाके में घना धुआं और आग फैल गई, जिससे बचाव कार्यों में भी कठिनाई आई। घटनास्थल पर मौजूद अधजले और बिना फटे विस्फोटकों के कारण राहत एवं बचाव कार्य प्रभावित हुआ।पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गईं। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे धमाके की तीव्रता और वहां मौजूद विस्फोटक सामग्री के पैमाने का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य संचालित केआईएलए के कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने तेज धमाके की आवाज सुनी और पहले उन्हें लगा कि यह भूकंप है।

बंधुआ मजदूरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

11 हजार बच्चे रेस्क्यू पर मदद मिली सिर्फ 971 को

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बढ़ते बंधुआ मजदूरी और बाल तस्करी के संगठित नेटवर्क पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। मंगलवार, 21 अप्रैल 2026 को हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय को कड़ी फटकार लगाते हुए सचिव से व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव को स्वयं हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उन्हें कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि यह जानना है कि जमीन पर इस समस्या को खत्म करने के लिए क्या किया गया है। कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा कि इस अभिशाप को जड़ से मिटाने के लिए उसे न्यायपालिका से और किस तरह की मदद या दिशा-निर्देशों की जरूरत है।

आर्थिक सहायता के चौंकाने वाले आंकड़े

वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने कोर्ट को बताया कि विभिन्न अभियानों के तहत 11,000 बच्चों को रेस्क्यू कराया गया था। लेकिन प्रशासनिक शिथिलता का आलम यह है कि उनमें से केवल 971 बच्चों को ही अब तक सरकारी आर्थिक सहायता मिल पाई है। हजारों बच्चे आज भी पुनर्वास और मदद की बाट जोह रहे हैं।

अंतरराज्यीय समन्वय की कमी

पीठ ने टिप्पणी की कि जब एक राज्य के बच्चे को दूसरे राज्य में बंधुआ बनाया जाता है, तो राज्यों के बीच तालमेल की कमी के कारण रेस्क्यू और राहत कार्य अटक जाते हैं। कोर्ट ने मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सचिवों के साथ बैठक कर एक 'सरल और प्रभावी' प्रक्रिया तैयार करें ताकि पीड़ित बच्चों को तत्काल मदद मिल सके।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 2022 में तब शुरू हुआ जब बिहार के गया के कुछ मजदूरों ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के ईंट भट्ठों पर अपनी गुलामी की कहानी सुनाई। उन्हें बिना रजिस्ट्रेशन वाले ठेकेदारों ने बंधक बना रखा था, जहाँ न तो न्यूनतम मजदूरी दी जा रही थी और न ही उन्हें कहीं आने-जाने की आजादी थी। 2019 में मुक्त होने के बावजूद उन्हें न्याय के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा है।

आमरस पीने के बाद 230 लोग बीमार

एफएसएसएआई ने मांगी रिपोर्ट

दाहोद। गुजरात के दाहोद जिले में एक शादी समारोह में दावत खाना ग्रामीणों को भारी पड़ गया। अभलोद गांव में आयोजित इस समारोह में करीब 230 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। अचानक इतने लोगों की तबीयत बिगड़ने से इलाके में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में सभी प्रभावित लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात गांव में एक विवाह का प्रीतिभोज चल रहा था। रात करीब आठ बजे लगभग 400 मेहमानों ने एक साथ खाना खाया। भोजन के मेन्यू में आमरस यानी मैंगो जूस भी शामिल था। खाना खाने के करीब तीन घंटे बाद मेहमानों को परेशानी शुरू हुई।

प्रशासन ने संभाली कमान

दाहोद के जिला कलेक्टर योगेश निरगुडे ने बताया कि स्थिति काफी गंभीर थी। कुल 230 लोगों ने उल्टियां और दस्त की शिकायत की। प्रशासन ने तुरंत मेडिकल टीमों को सक्रिय किया। बीमारों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक केंद्रों में भेजा गया। कुछ मरीजों को निजी अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया है। इस मामले को केंद्र सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। देश की सर्वोच्च खाद्य नियामक संस्था, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुजरात के अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस लापरवाही के लिए जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 मई तक किया बंद

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने मंगलवार को भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 मई तक बंद रखने का फैसला किया है। अब ये पाबंदियां एक साल से भी ज्यादा समय तक लागू रहेंगी। पिछले साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे के विमानों के लिए अपना-अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे। 24 अप्रैल, 2025 से भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तान का एयरस्पेस पेस बंद है, वहीं दूसरी तरफ पिछले साल 30 अप्रैल से पाकिस्तानी विमानों को भारतीय एयरस्पेस इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

19 मई की अगली समयसीमा

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अब अगली सुनवाई के लिए 19 मई 2026 की तारीख तय की है। तब तक केंद्र सरकार को सभी राज्यों के साथ समन्वय कर एक विस्तृत कार्ययोजना पेश करनी होगी।

ऑपरेशन नुमखोर | फर्जी दस्तावेजों का उपयोग, कई फिल्मी सितारों के नाम जुड़े

15000 से ज्यादा लग्जरी गाड़ियां बिना टैक्स चुकाए भारत में घुसी

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन नुमखोर' इस समय चर्चे में है। पहली बार सुनने में यह शब्द भले ही अजीब लग सकता है लेकिन बता ये गाड़ियों की तस्करी से जुड़ा ऑपरेशन है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के तहत चलाए गए 'ऑपरेशन नुमखोर' ने एक बड़े टैक्स चोरी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इसके तहत भूटान से 15,849 लग्जरी गाड़ियों को बिना कस्टम ड्यूटी और टैक्स चुकाए भारत में दाखिल किया गया। 'नुमखोर' भूटानी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ 'वाहन' होता है।

क्या है ऑपरेशन नुमखोर?

यह ऑपरेशन फिल्मी दुनिया तक पहुंच गया है, जहां कई मलयालम सितारों के नाम इससे जुड़ रहे हैं। जांच की शुरुआत केरलम से हुई, जहां 35-40 लग्जरी कारों की शुरूआती जांच ने पूरे मामले को सामने लाया। नेशनल व्हीकल रजिस्ट्री के डिजिटल ऑडिट में फर्जी दस्तावेजों और नकली डिस्पोजल सर्टिफिकेट का खुलासा हुआ।